शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 264 | गुवाहाटी | गुरुवार, 25 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कभी नहीं कहा संपत्ति बांटेंगे, हम देश में जनगणना कराएंगे : राहुल पेज 2
नई पीढ़ी को पसंद है विकास की राजनीति : बिजुली कलिता मेधी पेज 3
विपक्ष के पास ना नीति है, ना नीयत और ना ही नेता : उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी पेज 5
टोरंटो में भारतीय भूचाल, फिडे कैंडिडेट्स में गुकेश की जीत ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कार्य-सिद्धि के लिए हस्त-कौशल का उपयोग करना चाहिए।

– आचार्य चाणक्य

लोस चुनाव : दूसरे चरण का प्रचार समाप्त, कल होगा मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। आम चुनाव 2024 के दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा। दूसरे चरण में 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 1206 उम्मीदवारों के साथ-साथ बाहरी मणिपुर लोकसभा सीट से 4 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। मणिपुर बाहरी सीट पर पिछले चरण में भी मतदान हुआ था और इस चरण में सीट के एक हिस्से में मतदान होगा। चुनाव आयोग ने पहले मध्य प्रदेश की बैतूल लोकसभा सीट पर भी दूसरे चरण में मतदान कराने का ऐलान किया था लेकिन बसपा उम्मीदवार अशोक भलावी के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। अब यहां तीसरे चरण में यानी 7 मई को मतदान होगा। इस चरण में वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके खिलाफ सीपीआई की एनी राजा चुनाव मैदान में है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्र भी उनके खिलाफ लड़ रहे हैं। इसी चरण में केरल में तिरुवनंतपुरम सीट पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के बीच मुकाबला है। इस चरण में मथुरा और मेरठ में भी मतदान होगा, जिसमें फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी और रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल भाजपा के उम्मीदवार हैं। बिहार की पूर्णिया सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा है, जहां भाजपा और राष्ट्रीय जनता दल के अलावा

निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पप्पू यादव मैदान में हैं। छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव सीट से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। केरल की अलपुझा सीट से कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, पश्चिम बंगाल की बालुरघाट सीट से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार, उदयपुर सीट से ताराचंद मीना (कांग्रेस), भीलवाड़ा से कांग्रेस नेता सीपी जोशी, जालौर से पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे वैभव गहलोत, कोटा से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, जोधपुर राजस्थान से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कर्नाटक की तुमकुर सीट से वी सोमन्ना, मांड्या से जेडीएस -शेष पृष्ठ दो पर

नागरिकता, संपर्क, बेरोजगारी बराक घाटी के हैं प्रमुख मुद्दे

सिलचर। असम की बराक घाटी में बांग्लादेश की सीमा से लगे दो लोकसभा क्षेत्रों - सिलचर (सुरक्षित) और करीमगंज से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की ओर से उठाए गए प्रमुख मुद्दों में नागरिकता, बेरोजगारी, खराब बुनियादी ढांचा और देश के बाकी हिस्सों के साथ उचित संपर्क की कमी शामिल हैं। बराक घाटी की दो लोकसभा सीट पर बत्तीस उम्मीदवार मैदान में हैं, जहां आम चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। घाटी में स्थित इन दो सीट पर भाजपा ने पहली बार 1991 और फिर 1996 में जीत हासिल की थी, जब पार्टी के पास राज्य में व्यावहारिक रूप से कोई संगठनात्मक आधार नहीं था। सिलचर में, मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और असम के मंत्री परिमल शुक्लबैद्य, कांग्रेस के सूर्यकांत सरकार और तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार एवं पड़ोसी करीमगंज से एआइयूडीएफ के पूर्व सांसद राधेश्याम विश्वास के बीच होने की संभावना है। करीमगंज में भाजपा के मौजूदा सांसद कृपानाथ मल्ला, कांग्रेस उम्मीदवार हाफिज अहमद राशिद चौधरी और आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआइयूडीएफ) के सहाबुल इस्लाम चोधरी के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। बांग्लादेश के साथ 129 किलोमीटर लंबी सीमा वाले दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में, नागरिकता एक प्रमुख मुद्दा है, क्योंकि पड़ोसी देश से विस्थापित हिंदू बंगालियों की एक बड़ी आबादी है, जो समय के साथ घाटी में आकर बस गए हैं। भाजपा के सिलचर उम्मीदवार परिमल शुक्लबैद्य ने कहा कि नागरिकता की समस्या विभाजन के कारण पैदा हुई और 70 साल तक किसी भी राजनीतिक दल ने इसे हल करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि वह भाजपा ही थी जिसने एक कानून बनाया जिससे पूर्वी -शेष पृष्ठ दो पर

वाम दल और कांग्रेस दोनों चुनावों में पीएफआई का ले रहे समर्थन : अमित शाह

तिनुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल में कांग्रेस और सत्तारूढ़ वाम दल पर बुधवार को जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि दोनों दल राज्य में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का समर्थन ले रहे हैं। अमित शाह ने आरोप लगाया कि पीएफआई की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने खुले तौर पर केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को अपना समर्थन देने की घोषणा की, वहीं वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) पीएफआई पर प्रतिबंध पर -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर और नगालैंड को जोड़ने वाले पुल को आईईडी से उड़ाया

इंफाल। जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर के कांगपोकपी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर एक पुल बुधवार तड़के एक आईईडी विस्फोट में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। आईईडी ब्लास्ट के बाद क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट रात करीब 12.45 बजे -शेष पृष्ठ दो पर

फिलीपींस में गर्मी ने बरसाया कहर दो की मौत

मनीला। फिलीपींस में इस साल एक जनवरी से 18 अप्रैल तक गर्मी से जनित बीमारियों के करीब 34 मामले सामने आए हैं और छह मौतों की पुष्टि हुई है। फिलीपींस के स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीओएच के सहायक सचिव अल्बर्ट डोमिंगो ने कहा कि मौत के कारणों की जांच की जा रही है। ये मामले मध्य फिलीपींस के मध्य विसायस क्षेत्र, -शेष पृष्ठ दो पर

बिहू में अब गोली की नहीं, कोयल की आवाज सुनाई देती है : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि अब असम में बिहू उत्सव बंदूक और गोला बारूद की आवाज से नहीं, बल्कि कोयल की मीठी आवाज से मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की कोशिशों के कारण असम के उग्रवादी संगठनों के सदस्य मुख्य धारा में लौट चुके हैं। एक समय था जब बोड़ो, कार्बी से लेकर तमाम जाति-जनजातियों के बीच असंतोष था। -शेष पृष्ठ दो पर

आपके एक वोट की ताकत से हम दुनिया में पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए : मोदी

हरदा (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हरदा में आयोजित जनसभा में कहा कि आपके एक वोट की ताकत से हम दुनिया में पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए। आपके एक वोट ने दुनिया में भारत का डंका बजा दिया। सीमा पर से आंख दिखाने वाले दुश्मन के होश ठिकाने लगा दिए। आपका वोट है, जिसने अयोध्या में 500 साल के इंतजार के बाद रामलाल को भव्य मंदिर में विराजमान कराया। इन 10 वर्षों में जो काम हुआ है, वह केवल एक ट्रेलर है। अभी हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने कहा कि देश में इस

बार लोकसभा चुनाव को लेकर एक अलग ही उत्साह है। हमारा हरदा तो देश और मध्य प्रदेश की हृदयस्थली है और हृदय से मिला आशीर्वाद कभी खाली नहीं जाता। ये क्षेत्र भी पूरे देश में सुर से सुर मिला रहा है। देश के हर कोने में एक ही सुर है और मप्र में भी एक सुर है वो ये कि फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जब से काम संभाला है मध्य प्रदेश को और विकास की ऊंचाइयों पर ले गए हैं। उन्होंने सभा के दौरान कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का खतरनाक हिडन एजेंडा अब खुलकर सामने आ चुका है। सेक्युलरिज्म के नाम पर वोट बैंक की राजनीति करने वाली कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की मूलभूत भावना की भी हत्या कर दी है। -शेष पृष्ठ दो पर

मंच पर बेहोश होकर गिरे केंद्रीय मंत्री गडकरी, यवतमाल में दे रहे थे चुनावी भाषण

मुंबई (हि.स.)। यवतमाल जिले के पुसद में बुधवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को अचानक चक्कर आ गया। वे भाषण देते समय मंच पर बेहोश होकर गिर पड़े लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने गडकरी को संभाल लिया। कुछ देर तक उनका प्राथमिक इलाज किया गया और इसके बाद उन्होंने फिर से अपना भाषण पूरा किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आज पुसद में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की उम्मीदवार राजश्री पाटिल के समर्थन में आयोजित प्रचार सभा को संबोधित कर रहे थे। गडकरी कहा कि देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लगातार प्रगति कर रहा है। संबोधन के दौरान अचानक वह बेसुध होकर -शेष पृष्ठ दो पर

वायनाड पहुंचा संदिग्ध माओवादियों का समूह लोगों से चुनाव का बहिष्कार करने की अपील

वायनाड। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद 26 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होने वाला है। इस बीच केरल के वायनाड में संदिग्ध हथियारबंद माओवादियों के चार सदस्यीय समूह ने बुधवार को लोगों से लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की अपील की। यह घटना थलप्पुझा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पड़ने वाले क्षेत्र की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जैसे ही उन्हें इलाके में माओवादियों की स्थिति का पता चला पुलिसकर्मियों को तुरंत कंबामाला में भेजा गया। स्थानीय लोगों ने -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा-

पीएम के खिलाफ साजिश देशद्रोह

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ साजिश रचना देशद्रोह के समान है। सुनवाई करते हुए जस्टिस जसमीत सिंह ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ साजिश रचने का आरोप गैर-जिम्मेदाराना तरीके से नहीं लगाया जा सकता है और इसके लिए मामला ठोस और ठोस कारणों पर आधारित होना चाहिए। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाने की साजिश आईपीसी के तहत एक अपराध है। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट बीजू जनता दल के सांसद पिनाकी मिश्रा द्वारा वकील जय अनंत देहाद्रई के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे की सुनवाई कर रहा था। आरोपों के मुताबिक देहाद्राय ने पिनाकी मिश्रा पर प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। कोर्ट ने देहाद्राय के वकील से कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने पीएम के भाषण के खिलाफ दर्ज शिकायतों की जांच शुरू की

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान में दिए गए भाषण के खिलाफ दर्ज शिकायतों पर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि कांग्रेस और मार्क्सवादी कांग्रेस पार्टी (माकपा) ने पीएम के बयान को लेकर चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया था। इसमें पीएम मोदी ने आरोप लगाया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह लोगों की संपत्ति को मुस्लिमों को बांट देगी। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, पीएम के बयान को लेकर दर्ज शिकायतों पर विचार किया जा रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आयोग से 140 पेज में 17 शिकायतें की हैं। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से अपील की कि वह प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

संपत्ति हस्तांतरण पर सैम पित्रोदा का बयान बना कांग्रेस के जी का जंजाल, भाजपा हुई हमलावर

नई दिल्ली (हि.स.)। सैम पित्रोदा के पैतृक संपत्ति हस्तांतरण पर कर संबंधी बयान कांग्रेस के जी का जंजाल बन गया है। भाजपा हमलावर है और कांग्रेस बयान से किनारा कर रही है। कांग्रेस नेता ओवरसीज कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान से पल्ला झाड़ते हुए डैमेज कंट्रोल में जुट गए हैं। सैम पित्रोदा ने शिकागो में एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा है कि कांग्रेस भारत में धन के पुनर्वितरण की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि परिवार के मुखिया की मृत्यु के बाद अमेरिका में 55 प्रतिशत संपत्ति मिलती है शेष संपत्ति सरकार के पास चली

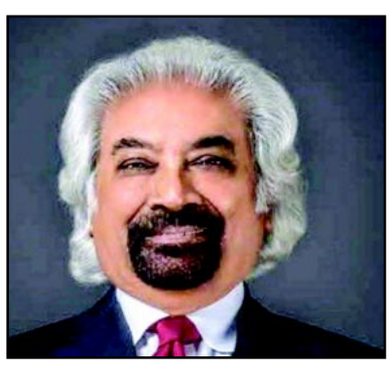

जाती है। इस तरह की व्यवस्था भारत में नहीं हैं। इस पर विचार होना चाहिए। कांग्रेस इस तरह की योजना बना रही है। सैम पित्रोदा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। सैम पित्रोदा के इस बयान को भाजपा ने गंभीरता से लेते हुए कांग्रेस की आलोचना करनी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री ने सैम के बयान पर हमला बोलते हुए छत्तीसगढ़ की सभा में कहा था कि कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सैम पित्रोदा की टिप्पणी के बाद कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल-फिलीस्तीन जंग पर यूएन की चेतावनी, कहा-

मई तक गाजा में भुखमरी का खतरा हर घंटे छह बच्चों की हो रही मौत

संरा। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने इजराइल और फिलीस्तीन जंग के 200 दिन पूरे होने पर इससे बढ़ रहे खतरों को लेकर आगाह किया हैं। यूएन ने चेतावनी दी है कि इजराइल के सैन्य हमलों के बीच गाजा में मई में भुखमरी का खतरा मंडरा रहा है। गाजा के 23 लाख नागरिकों को हर रोज खाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे बुरी स्थिति युद्ध के बीच जन्मे बच्चों की है। 17 अप्रैल तक गाजा के अस्पतालों में कुपोषण से 12 साल से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कभी नहीं कहा संपत्ति बांटेंगे, हम देश में जनगणना कराएंगे : राहुल

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से लगातार आलोचना की शिकार कांग्रेस पार्टी और उनके नेता राहुल गांधी संपत्ति पुनर्वितरण पर पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं। सैम पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस पार्टी लगातार स्पष्टीकरण दे रही है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि हम संपत्ति बंटवारे पर कार्रवाई करेंगे लेकिन हम देश में जातीय जनगणना का काम कराएंगे। नई दिल्ली के जवाहर भवन में आयोजित सामाजिक न्याय सम्मेलन में राहुल गांधी ने यह बात कही। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें जाति में नहीं, बल्कि *न्याय* में दिलचस्पी है लेकिन जानकारी के लिए जातीय जनगणना जरूरी है ताकि पता चल सके कि कितना अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना मेरे लिए राजनीति का मुद्दा नहीं है, ये मेरे जीवन का मिशन है। राहुल गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना एक सर्वेक्षण नहीं है। इसमें आर्थिक और संस्थागत घटक भी शामिल किए जाएंगे। जिससे पता चल सके कि कौन सा समुदाय सबसे

ज्यादा लाभांवित है ओर आर्थिक सामाजिक न्याय के लिए क्या करने की जरूरत है। इनका कहना है कि हिंदुस्तान के 90 प्रतिशत लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 साल से कह रहे थे कि वे ओबीसी हैं लेकिन जैसे ही मैंने जातिगत जनगणना की बात की वे कहते हैं हिंदुस्तान में सिर्फ दो ही जाति हैं, अमीर और गरीब। राहुल गांधी ने कहा कि मैं कह रहा हूं कि अगर आप गरीबों की लिस्ट देखेंगे तो उसमें आपको एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के लोग मिल जाएंगे, लेकिन, अमीरों के लिस्ट में आपको एक भी नहीं मिलेंगे। राहुल गांधी ने कहा के देश के हाईकोर्ट में 650 जज हैं लेकिन 90 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व 100 जजों द्वारा किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में यह आंकड़ा भी नदारद है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि हिंदुस्तान की मीडिया और बड़ी कंपनियों के मालिकों या न्यूज एंकरों की लिस्ट में एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग का कोई नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत लोगों के हाथ में *माइक* है ही नहीं। ऐसे में जिन 90 प्रतिशत लोगों के पैसे से देश चल रहा है, उनके हाथों में भी माइक दिया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाई। देश को संविधान दिया। देश में हरित क्रांति, श्वेत क्रांति लाई। बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। प्रिवी पर्स को खत्म किया। देश में कंप्यूटर क्रांति लाई। कांग्रेस देश में क्रांतिकारी काम करती रही है। कांग्रेस की सरकार आते ही हम जातिगत जनगणना करा देंगे। ये मेरी गारंटी है।

पीएम के स्वागत के लिए उमड़ा जनसैलाब भगवामय हुई सड़कें, आसमान से बरसे फूल

भोपाल (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार शाम भोपाल में भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के समर्थन में रोड शो किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मालवीय नगर स्थित तिराहे से खुले रथ पर सवार होकर मेजर नानके पेट्रोल पंप तिराहे तक जनता का अभिवादन किया और पार्टी प्रत्याशी के लिए आशीर्वाद मांगा। रोड शो रोशनपुरा चौराहे से होते हुए मेजर नानके पेट्रोल पंप तिराहे तक पहुंचा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान यात्रा मार्ग की दोनों तरफ की सड़कें भगवामय हो गई। महिलाएं जहां गले में भगवा दुपट्टा डालकर प्रधानमंत्री का स्वागत कर रही थीं, तो जोशीले युवाओं के समूह केसरिया पगड़ी में अपने प्रिय नेता का स्वागत करने आए थे। कुछ महिलाओं ने सड़क के किनारे से ही प्रधानमंत्री मोदी की आरती भी की। हाथों में कमल का प्रतीक थामे प्रधानमंत्री जी ने उनका अभिवादन किया। आम जनता ने सड़क के दोनों ओर खड़े होकर पुष्पवर्षा कर मोदी-मोदी के गगनभेदी नारों के साथ प्रधानमंत्री जी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो के दौरान उनका स्वागत करने समूचा भोपाल उमड़ पड़ा। समाज के हर वर्ग के पुरुष, महिलाएं, युवा, बच्चे और बुजुर्ग प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए मौजूद रहे। यात्रा मार्ग में संत समाज ने मंच से प्रधानमंत्री जी का स्वागत किया। सड़क के दोनों ओर गुजराती समाज, यादव समाज, कलार समाज, मराठी समाज, नेमा समाज, कुम्हार समाज, रजक समाज, वाल्मीकि समाज, जीनगर समाज, अहिरवार समाज सहित अन्य समाजों ने प्रधानमंत्री के स्वागत में बैनर लगाए थे। वहीं, साहित्यकार मंच, बरखेड़ा व्यापरी संघ, बाबा बटेश्वर भक्त मंडल जैसे अनेक संगठनों ने भी अलग-अलग तरीकों से प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। रोड शो के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष रूप से फूलों से सजाए गए रथ पर सवार होकर निकले। रथ पर उनके साथ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा भी सवार थे और जनता का अभिवादन कर रहे थे। रोड शो में लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान ढोल नगाड़े, बैंड, सहित अन्य वाद्ययंत्रों के माध्यम से कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। रोड शो के दौरान लेजर शो की प्रस्तुति भी दी गई। रोड शो के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं पार्टी नेताओं ने नानके पेट्रोल पंप के सामने शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राज्यपाल ने गुमकुम गुम्पा त्योहार की दी शुभकामनाएं

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने गुमकुम गुम्पा त्योहार के अवसर पर राज्य के लोगों, विशेषकर पुरोइक समुदाय को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह उत्सव समुदाय के सदस्यों और राज्य की अन्य जनजातियों के बीच भाईचारे की भावना को मजबूत करता रहेगा। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि अरुणाचल प्रदेश में कई जनजातियां शामिल हैं, जिनमें पुरोइक समुदाय महत्वपूर्ण महत्व रखता है। पारंपरिक रीति-रिवाजों के कारण इस समुदाय तक विकास की पहल देर से पहुंची। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरे पुरोइक भाई सक्रिय रूप से शिक्षा को आगे बढ़ाएंगे और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देंगे, साथ ही सरकारी कार्यक्रमों द्वारा दिए जाने वाले लाभों तक पहुंच बनाएंगे।

स्कूल परिसर में 11वीं कक्षा की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्ली। एक स्कूल परिसर में 11वीं की छात्रा को कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने छात्रा के बीमार होने की पहले उन्हें कोई खबर नहीं दी। इस आरोप पर स्कूल संचालक का कहना है कि किसी तरह की लापरवाही नहीं की गई। घटना मंगलवार रात की है। छात्रा स्कूल परिसर में हॉस्टल में रहती थी। लालबाग थाना पुलिस ने बुधवार सुबह जिला अस्पताल में छात्रा के शव का पोस्टमॉर्टम कराया। जानकारी के मुताबिक छात्रा यशस्वी (17)मध्य प्रदेश के सेंधवा की रहने वाली थी। उसके पिता डॉ. लोहार ब्राम्हणे पीजी कॉलेज झाबुआ में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। डॉ. लोहार ब्राम्हणे ने बताया कि 28 मार्च को बेटी का एडमिशन मेक्रो विजन एकेडमी में कराया था। वह डॉक्टर बनना चाहती थी। हम उसे तैयारी के लिए छोड़कर गए थे। कल शाम 5 बजे उससे बात हुई तो उसने कहा बुखार है। हॉस्टल वार्डन के साथ जा रही हूं। मृतक के पिता डॉ. लोहार ब्राम्हणे का कहना है कि डॉक्टर से बात हुई तो उन्होंने कहा कि आपकी बच्ची का बीपी लो हो रहा है। एंजियोग्राफी करानी पड़ेगी। इससे पहले बेटी के बीमार होने पर स्कूल प्रबंधन ने कहा कि आप जल्दी आ जाओ। आपकी बच्ची की तबीयत बिगड़ रही है। इससे पहले हमें कभी नहीं बताया कि बेटी की तबीयत ज्यादा खराब है। स्कूल नहीं जा रही, हॉस्टल में रह रही है। एकेडमी संचालक आनंद प्रकाश चौकसे ने कहा कि यशस्वी ने कल शाम 4 बजे कहा कि सीने में दर्द हो रहा है। ईसीजी करने के बाद पता चला हार्ट अटैक है। इसकी जानकारी उनके फैमिली डॉक्टर को दी थी।

झारखंड लोस चुनाव प्रचार के लिए भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

रांची (हि.स.)। राज्य में लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। बुधवार को जारी इस सूची के संबंध में केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भी जानकारी दे दी है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित 40 नाम शामिल किए गए हैं। इस सूची में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान, पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा, मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, बिहार के मंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी के अलावा लक्ष्मीकांत वाजपेई, बाबूलाल मरांडी, गीता कोड़ा, सीता सोरेन, भानु प्रताप शाही, नीलकंठ सिंह मुंडा, रणधीर सिंह समेत प्रदेश भाजपा के कई नेता, विधायकों, पदाधिकारियों को भी जगह दी गई है।

मणिपुर में हथियार के साथ एक गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में चप्पा-चप्पा इलाके में हथियारों का जखीरा मिल रहा है। सुरक्षा बल हर दिन हथियार और गोला बारूद बरामद कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है मानो हर व्यक्ति के हाथों में कोई हथियार हो। इस सिलसिले में मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने जिरीबाम जिले के लींगांगपोकपी पुलिस ओपी गेट से लालसन (37) नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा। सुरक्षा बलों ने उसके पास से एक देशी राइफल, एक मैगजीन, एक राइफल बट, एक मोबाइल फोन, एक मनी बैग जिसमें 13 हजार एक सौ 20 रुपए और एक बहुरंगी बैग बरामद किया गया। उसके विरुद्ध थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

गुवाहाटी : टेंट हाउस आग में जलकर राख

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के फटाशील इलाके में बुधवार को लगी भीषण आग के कारण पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। यह आग एक टेंट हाउस में लगी। इस हादसे में सारा सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग के कारण पूरा टेंट हाउस और उसके पास रखा गया सामान जलकर राख हो गया है। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचे चार अग्निशमन वाहनों द्वारा आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। आग लगने का सही कारणों का पता नहीं चला है।

Apollo HOSPITALS
Surgical Gastroenterologist from Apollo Hospitals, Chennai
Dr Sudeepta Kumar Swain
MS, FMAS, DNB (Surgical Gastroenterology)
Consultation for Overweight/ Obesity, Abdominal Pain, Gall Bladder & Bile duct surgery, Pancreatic disease/ Tumors, Advanced Laparoscopic Surgery, Laparascopic Hernia Surgery, Piles & Fistula, Hernia, Colo Rectal Surgery
visiting Guwahati on 5th May'2024
Apollo Hospitals Chennai Regional Office
House No. 76, Rajgarh Main Road
Opp. Byelane-10, Guwahati- 781003
Call: 84040-37649, 0361-3102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

लोस चुनाव : दूसरे...

नेता एचडी कुमार स्वामी, बेंगलुरु दक्षिण से भाजपा के युवा नेता तेजस्वी सूर्या और अमरावती से हाल ही में भाजपा में शामिल हुई नवनीत राणा चुनाव मैदान में हैं। इस चरण में असम की पांच करीमगंज, शिलचर, मंगलदै, नवगोंग और कलियाबोर; बिहार की पांच किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका; छत्तीसगढ़ की तीन राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर; जम्मू-कश्मीर की एक जम्मू; कर्नाटक की 14 उडुपी चिकमंगलूर, हसन, दक्षिण कन्नड़, चित्रदुर्ग, तुमकुर, मांड्या, मैसूर, चामराजनगर, बेंगलुरु ग्रामीण, बेंगलुरु उत्तर, बेंगलुरु सेंट्रल, बेंगलुरु दक्षिण, चिकबल्लापुर और कोलार सीट पर मतदान होगा। केरल की 20 कासरगोड, कन्नूर, वटकारा, वायनाड, कोझिकोड, मलप्पुरम, पोन्नानी, पलक्कड़, अलाथुर, त्रिशूर, चलाकुडी, एर्नाकुलम, इडुक्की, कोट्टायम, अलाप्पुझा, मावेलिककारा, पथानामथिट्टा, कोल्लम, अटिंगल और तिरुवनंतपुरम; मध्य प्रदेश की 7 टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा और होशंगाबाद; महाराष्ट्र की 8 बुलढाणा, अकोला, अमरावती (एससी), वर्धा, यवतमाल-वाशिम, हिंगोली, नांदेड़ और परभणी; राजस्थान की 13 टोंक-सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां सीट पर भी मतदान होगा। त्रिपुरा की एक त्रिपुरा पूर्व; उत्तर प्रदेश की अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, बुलन्दशहर; पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग, रायगंज और बालुरघाट सीट पर भी इसी चरण में मतदान होगा। कुछ सीटों को छोड़कर लगभग सभी जगह मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि पहले चरण में 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। पहले चरण में मतदान का औसत लगभग 64 प्रतिशत रहा है। मणिपुर में कुछ स्थानों में दोबारा मतदान कराया गया था। मतदान सात चरणों में कराया जा रहा है। सभी सीटों के नतीजे 4 जून को आएंगे।

नागरिकता, संपर्क, बेरोजगारी...

पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से बराक घाटी आए लोगों को मदद मिलेगी। भाजपा नेता ने कहा कि यह सच है कि कुछ लोगों को आनलाइन आबेदन करना मुश्किल हो रहा है और दस्तावेज जमा करने से संबंधित मुद्दे हैं, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मामले से अवगत कराया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि आचार संहिता हटने के बाद प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।वहीं, कांग्रेस के सूर्यकांत सरकार ने बताया कि बराक घाटी के अधिकांश लोग शुरू में सीएए के पक्ष में थे क्योंकि विस्थापित लोगों का मानना था कि इससे उन्हें मदद मिलेगी क्योंकि नागरिकता के साथ उन्हें किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। सरकार ने आरोप लगाया कि सीएए में नियम अब एक जाल की तरह हैं क्योंकि जो कोई भी सीधे नागरिकता के लिए आवेदन करता है, वह बांग्लादेशी के रूप में स्थापित होता है और अब तक बराक घाटी में केवल एक व्यक्ति ने आवेदन किया है और यदि कानून इतना अच्छा है जैसा कि भाजपा का दावा है, तो लोग इसके तहत आवेदन क्यों नहीं कर रहे हैं। लोगों को एहसास हो गया है कि उनके साथ धोखा हुआ है। शेष असम और देश के साथ संपर्क भी घाटी में एक प्रमुख मुद्दा रहा है और दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के भाजपा उम्मीदवारों का दावा है कि *ईस्ट-बेस्ट कारिडोर* के लगअग पूरा होने के साथ इसका लगभग समाधान हो गया है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में वादा किया था कि इसे जल्द ही पूरा किया जाएगा, लेकिन 10 साल बाद भी प्रगति *असंतोषजनक* है और वर्तमान स्थिति के अनुसार, इसे पूरा होने में पांच से छह साल और लगेंगे। तृणमूल कांग्रेस सिलचर के उम्मीदवार राधेश्याम विश्वास ने कहा कि हमें राज्य की राजधानी तक पहुंचने के लिए मेघालय से होकर जाना पड़ता है और सड़क की हालत दयनीय है।

वाम दल और कांग्रेस ...

चुप है। उन्होंने अलाप्पुझा लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार शोभा सुरेंद्रन के पक्ष में प्रचार किया। अमित शाह ने चुनावी रैली में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को पीएफआई जैसे संगठनों से बचाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कम्युनिस्टों और कांग्रेस के शासन के दौरान राज्य में आतंकवादियों को संरक्षण मिला। शाह ने कांग्रेस और वाम दल पर भी हमला किया और कहा कि ये दल केरल और पश्चिम बंगाल में एक-दूसरे से लड़ने का दिखावा करते हैं जबकि देश के अन्य हिस्सों में वे साथ हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि दुनिया और भारत में कम्युनिस्ट खत्म हो गए हैं और इसी तरह देश में कांग्रेस का भी पतन हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह भाजपा का वक्त है। भाजपा नेता ने कहा कि इस बार का लोकसभा चुनाव मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने और केरल को हिंसा से मुक्त कराने के लिए है। उन्होंने दावा किया कि सभी सर्वेक्षणों से संकेत मिल रहे हैं कि पूरा केरल मोदी के साथ है। राज्य में 26 अप्रैल को मतदान होना है और आज प्रचार का आखिरी दिन है। शाह अलाप्पुझा रिक्रिएशन ग्राउंड के हेलीपैड पर एक हेलीकॉप्टर से पहुंचे और वहां से सड़क मार्ग से रैली स्थल पुन्नप्रा कार्मेल ग्राउंड गए।

बिहू में अब गोली...

हर तरफ गोला बारूद की आवाजें सुनी जाती थीं। हर दिन बंद, हड़ताल, प्रदर्शन, आंदोलन आदि हुआ करता था लेकिन आज राज्य में शांति स्थापित हो गई है और विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने बुधवार को दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राज्य में कई स्थानों पर चुनावी सभाएं कीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के दिनों में ब्रह्मपुत्र पर कई पुल बनाए गए, गुवाहाटी में आईआईटी की स्थापना हुई, एक से बढ़कर एक विकास के कार्य हुए, अरुणोदय, वसुंधरा से लेकर जनकल्याण के अनेक कार्यक्रम चलाए गए। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने देखा है कि किस प्रकार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकास हो रहा है। आज भारत विश्व गुरू बनने जा रहा है। पूरी दुनिया में भारतीयों का सम्मान बढ़ा है। यही वजह है कि आज लोग भाजपा के प्रति आकृष्ट होकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्सुक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने लोगों का जो उत्साह देखा, उसके आधार पर आज वह दावे के साथ कहते हैं कि दूसरे चरण में होने वाले मतदान में भी भाजपा के उम्मीदवारों की भारी जीत होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र तथा राज्य सरकार की चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की चर्चा की। मुख्यमंत्री के साथ कार्यक्रमों में भाजपा के राज्यसभा सांसद भुवनेश्वर कलिता समेत कई विधायक, पार्टी के उम्मीदवार एवं वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आपके एक वोट ...

अब ये खुलकर सामने आ गया है कि कांग्रेस पार्टी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों से कितनी नफरत करती है। कर्नाटक में कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया है। इसके लिए गैर कानूनी तरीके से एक चालाकी की है। मुसलमान की सभी जातियों को ओबीसी कोटे में डाल दिया है। कांग्रेस ने इन सबको ओबीसी में डालकर ओबीसी को जो हक मिलता था, उसका बहुत बड़ा हिस्सा उसने छीन लिया। मोदी ने कहा कि आपके पूर्वजों ने जो संपत्ति बचाई जो आपको मिली है, अब कांग्रेस कहती है कि आप अपनी संतानों को वो संपत्ति नहीं दे सकते। करीब-करीब आधी संपत्ति कांग्रेस की सरकार बनेगी तो कानूनन आपसे लूट लेगी। कांग्रेस का एक ही मंत्र है, जिंदगी के साथ भी लूट और जिंदगी के बाद भी लूट। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमारी आस्था पर हमले करती है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को ठुकरा दिया। कांग्रेस को मंदिर और मंदिर जाने वालों से भी दिक्कत है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम की शुरुआत में भारत माता की जय के साथ उद्बोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि आज विश्व में जो सम्मान भारत का है, मोदी जी के नेतृत्व में वह कांग्रेस के समय में कभी नहीं रहा। 2014 के पहले भारत को विश्व में घोटालों का देश के रूप में जाना जाता था भारत की इज्जत नहीं की जाती थी लेकिन प्रधानमंत्री मोदी बनने के बाद देश की छवि सुधरी और सम्मान मिला।

मंच पर बेहोश ...

गिर पड़े, जिसके बाद उनके आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला और तत्काल इलाज के लिए ले गए। चुनावी सभा समाप्त होने पर गडकरी की मेडिकल जांच की गई है और उनकी तबीयत में सुधार हुआ है। बाद में गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म *एक्स* पर पोस्ट किया कि पुसद, महाराष्ट्र में रैली के दौरान गर्मी की वजह से असहज महसूस किया। लेकिन अब पूरी तरह से स्वस्थ हूं और अगली सभा में सम्मिलित होने के लिए वरूड के लिए निकल रहा हूं। आपके स्नेह और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी नागपुर लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। नागपुर सीट पर पहले चरण में मतदान हो चुका है, इसलिए वे दूसरे चरण के भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार में निकले हैं। यह पहली बार नहीं है जब गडकरी की तबीयत अचानक बिगड़ी है। इससे पहले उन्हें 2018 में महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में एक कार्यक्रम के दौरान चक्कर आया था। उस समय मंच पर महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल विद्यासागर राव भी उपस्थित थे। उन्होंने गडकरी को संभाला था और उनका तत्काल इलाज किया गया था।

वायनाड पहुंचा संदिग्ध...

बताया कि माओवादी सुबह के 6.15 बजे आए और नारेबाजी करने लगे। उन्होंने लोगों से लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की अपील भी की। वहां मौजूद स्थानीय लोग ने कहा कि माओवादी अपनी वर्दी में थे, और उनके पास बंदूकें भी थीं। वे करीब 20 मिनट तक इलाके में रुके। हालांकि, बाद में माओवादियों का एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें वे स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए दिख रहे थे। वीडियो के अनुसार, जब माओवादी इलाके में पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों में ज्यादातर मजदूर थे।

पीएम के खिलाफ ...

उन्हें उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के इस्तेमाल से कोई समस्या नहीं है, लेकिन देहाद्राय जो कह रहे हैं, उसके गंभीर परिणाम होंगे, क्योंकि इससे देश का सबसे बड़ा पद प्रभावित होगा। देहाद्राय पिनाकी पर प्रधानमंत्री के खिलाफ साजिश का आरोप कैसे लगा रहे हैं? कोर्ट ने सख्ती से कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ साजिश देशद्रोह के बराबर है और जब तक देहाद्राय, पिनाकी के खिलाफ इस तरह के आरोप को साबित नहीं कर पाते, तब तक निषेधाज्ञा आदेश पारित किया जाएगा। आप एक मौजूदा सांसद द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ साजिश का गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इस मामले की अगली सुनवाई में देहाद्राय अपने सबूत पेश करेंगे। उसके बाद अदालत तय करेगी कि मिश्रा के खिलाफ मानहानि का मामला बनता है या नहीं। दरअसल, पिनाकी मिश्रा ने अनंत देहाद्राय पर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाने और उन्हें *कैनिंग लेन* कि *ओडिया बाबू* और *पुरी का दलाल* कहने के लिए मुकदमा दायर किया है। ये मामला तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा से जुड़ा हुआ है। पिनाकी मिश्रा ने कोर्ट में दाखिल याचिका में अनंत देहाद्राय से माफी मांगने और हर्जाने की मांग के अलावा, अपमानजनक आरोप लगाने से रोकने की मांग की है। साथ ही एक्स और न्यूज एजेंसी एएनआई, पीटीआई के प्लेटफार्मों पर मौजूद कथित अपमानजनक सामग्री को हटाने के लिए निर्देश देने की मांग की है। आपको बता दें, इससे पहले महुआ मोइत्रा ने भी अनंत देहाद्राय पर मानहानि का मुकदमा किया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस मामले में टीएमसी नेता को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। देहाद्राय ने भी मोइत्रा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। हाईकोर्ट अभी भी इस मामले पर विचार कर रहा है।

ईसी ने पीएम के ...

मोदी के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे। पार्टी ने तर्क दिया है कि पीएम मोदी के विभाजनकारी और दुर्भावनापूर्ण बयान देकर आचार संहिता का स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया है। पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी और 15 अन्य विषयों पर शिकायतें कीं। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और गुरदीप सप्पल शामिल थे। दूसरी तरफ माकपा ने सोमवार को कहा कि उसने राजस्थान में संपत्ति के वितरण संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत करने के साथ दिल्ली पुलिस प्रमुख को एक शिकायत भेजी थी। इस मामले में एक चिट्ठी दिल्ली के पुलिस आयुक्त को भेजी गई थी।

संपत्ति हस्तांतरण पर ...

बेनकाब हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में *सर्वे* का जिक्र है। मनमोहन सिंह पहले अपने बयान में कह चुके हैं कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों और विशेषकर मुसलमानों का है। अब सैम पित्रोदा ने अमेरिका का हवाला देते हुए टिप्पणी की है कि धन के वितरण पर विचार-विमर्श होना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने यह मुद्दा उठाया तब राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी इस बात पर बैकफुट पर है और ये लोग कहने लगे कि यह उनका मकसद कभी नहीं था लेकिन आज सैम पित्रोदा के बयान ने देश के सामने कांग्रेस का मकसद स्पष्ट कर दिया है। वे देश के लोगों की निजी संपत्ति का सर्वेक्षण करना चाहते हैं। वे इस लोगों की मेहनत से कमाई संपत्ति को घुसपैठियों में बांटना चाहते हैं। शाह ने कहा कि वे चाहते हैं कि लोग सैम पित्रोदा के बयान को गंभीरता से लें। सैम पित्रोदा ने बहु-संख्यकों की संपत्ति को जब्त करने और इसे अल्पसंख्यकों के बीच वितरित करने के पार्टी के इरादे की पुष्टि की। कांग्रेस का भारत के गरीबों, दलितों, युवाओं, जनजातियों और पिछड़े वर्गों का सशक्तिकरण कभी एजेंडा नहीं रहा। सैम के बयान के बाद बैकफुट पर आई कांग्रेस के नेता स्पष्ट कर रहे हैं कि पार्टी का ऐसा कोई ईरादा नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारी ऐसी कोई मंशा नहीं है। ये उनके विचार हैं। उनके विचार हमारे मुंह में क्यों डाल रहे हैं? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि सैम पित्रोदा उनके सहित दुनिया भर में कई लोगों के लिए एक गुरु, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक रहे हैं। पित्रोदा उन मुद्दों पर स्वतंत्र रूप से अपनी राय व्यक्त करते हैं जिनके बारे में वह दृढ़ता से महसूस करते हैं। निश्चित रूप से लोकतंत्र में एक व्यक्ति अपने व्यक्तिगत विचारों पर चर्चा करने, व्यक्त करने और बहस करने के लिए स्वतंत्र है। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि पित्रोदा के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थिति को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने कहा कि पित्रोदा की टिप्पणियों को *सनसनीखेज* बनाने का उद्देश्य प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के *दुर्भावनापूर्ण और शरारती चुनाव अभियान* से *ध्यान भटकाना* है। वहीं सैम पित्रोदा भी अपने बयान पर सफाई दे रहे हैं। पित्रौदा ने कहा कि मैंने टीवी पर अपनी सामान्य बातचीत में उदाहरण के तौर पर अमेरिका में *विरासत कर* का उल्लेख किया था। क्या मैं तथ्यों का उल्लेख नहीं कर सकता? मैंने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन पर लोगों को चर्चा और बहस करनी होगी। इसका किसी भी नीति से कोई लेना-देना नहीं है। जिसमें कांग्रेस पार्टी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि किसने कहा कि अमेरिका की तरह भारत में 55 प्रतिशत छीन लिया जाएगा। किसने कहा कि भारत में ऐसा कुछ किया जाना चाहिए।

मई तक गाजा में ...

कम उम्र के 28 बच्चों की मौत हो गई थी। इनमें एक महीने से कम उम्र वाले 12 बच्चे शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इजराइली हमले में अब तक 34 हजार लोगों की मौत हुई है जबकि 77 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए। मृतकों में सबसे ज्यादा 14,500 बच्चे हैं। हर घंटे 15 लोग मारे जा रहे हैं, जिनमें 6 बच्चे शामिल हैं। गाजा के बाल चिकित्सक डॉ. मोंटेसर फर्रा का कहना है कि गाजा के हर घर में ऐसे बच्चे हैं, जो कुपोषण की समस्या के शिकार हैं। ऑक्सफेम के मुताबिक गाजा के हजारों लोग रोज औसत 245 कैलोरी पर जीवित हैं, जबकि एक वयस्क को हर दिन 1,600 से 3 हजार कैलोरी चाहिए। बता दें कि हमास ने 7 अक्तूबर 2023 को इजराइल पर अचानक हमला किया था। इसे *अल-अक्सा फ्लड* ऑपरेशन नाम दिया गया जिसके जवाब में इजराइल की सेना ने हमास के खिलाफ *सोर्ड्स

रंगिया में भाजपा युवा मोर्चा ने निकाली बाइक रैली

रंगिया (विभास)। भारतीय जनता युवा मोर्चा, रंगिया नगर मंडल द्वारा रंगिया शहर में आज 300 से भी अधिक बाइकों के साथ एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तथा रंगिया के विधायक भवेश भी उपस्थित रहे और उन्होंने बाइक रैली में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि हम माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में चुनने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नई पीढ़ी को पसंद है विकास की राजनीति : बिजुली कलिता मेधी

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार बिजुली कलिता मेधी ने कहा है कि नई पीढ़ी को विकास की राजनीति पसंद है। यह पीढ़ी आरोप-प्रत्यारोप को पसंद नहीं करती है। मेधी बुधवार को यहां एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से भाजपा को लोगों का समर्थन मिल रहा है, उससे यह जाहिर होता है कि इस चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों की न सिर्फ गुवाहाटी में,

बल्कि पूरे असम में जीत होगी। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास की राजनीति के प्रति राज्य के युवक आकृष्ट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के 10 वर्षों के कार्यकाल में राजनीति में बदलाव आया है। नरेंद्र मोदी जिस तरह विकास के कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, उससे युवक काफी आकृष्ट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की विकास की राजनीति से आकर्षित होकर बड़ी संख्या में युवक इन वर्षों में भाजपा में शामिल हुए हैं।

एसएसबी ने जब्त की अवैध लकड़ी

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी ने सोमवार को वाहिनी के अंतर्गत सीमा चौकी गाइडन चौक व वन विभाग कुमारीकाटा के साथ भारत-भूटान सीमा पर एक संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान बहाबारी गांव में एक अवैध आरा मशीन, जनरेटर सेट व लकड़ी लगभग-81.305 सीएफटी जब्त की, जब्ती कार्रवाई के उपरांत उपरोक्त जब्त सामान को वन विभाग कुमारीकाटा (असम) को सुपुर्द कर दिया। बताया गया है कि बल वाहिनी भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा के लिए निरंतर अभियान चला रही है।

अरुणाचल आठ मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान, 79.80 प्रतिशत मतदान

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश में एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव के मद्देनजर आज 8 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान हुआ। राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी के अनुसार कुल 79.80 प्रतिशत मतदान शांतिपूर्वक दर्ज हुआ। राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी की ओर मिली रिपोर्ट के अनुसार सभी 8 मतदान केंद्र में शांतिपूर्वक मतदान हुआ। 8 केंद्र में कुल 4468 वोटरों में से 3615 वोटरों ने अपने अपने मतों का प्रयोग किया, जिसमें 1658 पुरुष, 1957 महिलाएं शामिल हैं। ईस्ट कामेंग जिले के बामेंग विधानसभा क्षेत्र (एसी)के 40-सारियो, कुरुंग कुमे जिला के न्यापिन विधानसभा क्षेत्र के 13-लोंगटे लोथ मतदान केंद्र, अप्पेर सुबनसिरी जिले के नाचो विधानसभा क्षेत्र के 22-डिंगसर, 33-बोगिया सियुम, 34-जिम्बारी और 45-लेंगी मतदान केंद्र और सियांग जिले के अंतर्गत रमगोंग विधानसभा क्षेत्र के 19-बोगने और 22-मोलोम मतदान केंद्र शामिल हैं। पुनर्मतदान आज सुबह 6 बजे से शुरु हुआ ओर कुछ केंद्रों में 4 बजे तक मतदान हुआ।

ग्वालपाड़ा में हस्तनिर्मित राइफल के साथ एक गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम पुलिस ने ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई में एक व्यक्ति को हस्तनिर्मित राइफल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह रायफल असम-मेघालय सीमा क्षेत्र के बामुनेपनीखोवा गांव से जब्त किया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मामू राभा (32) के रूप में हुई है। उसने अपने घर में लंबे समय से अवैध रूप से हथियार रखा था। आज गुप्त सूचना के आधार पर पहुंची कृष्णाई पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के अवैध हथियार रखने के आरोप में मामू राभा को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कहा कि हिरासत में लिए गए मामू राभा ने व्यक्तिगत रूप से राइफल तैयार की थी और इसे गैरकानूनी तरीके से अपने घर में रखा था। कथित तौर पर, जंगली हाथियों को रोकने के लिए उसने हस्तनिर्मित बंदूक का उपयोग किया था।

मणिपुर : आईआईडी विस्फोट से पुल को उड़ाने की कोशिश के बाद बढ़ीं सुरक्षा

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार की देर रात राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या दो पर एक शक्तिशाली आईडी विस्फोट के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा और अधिक बढ़ा दी गई है। मणिपुर पुलिस ने बुधवार को बताया कि विस्फोट के जरिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक पुल को उड़ाने की कोशिश की गई। हालांकि, विस्फोट बहुत अधिक शक्तिशाली नहीं होने की वजह से पुल आंशिक रूप से ही क्षतिग्रस्त हुआ। पुल पर कई जगह गड्ढे हो गए और पुल पर दरारें पड़ गई। विस्फोट के बाद बुधवार को आधे दिन तक राजमार्ग को बंद रखा गया। बाद में सुरक्षा बलों ने बगल से आवश्यक वस्तुओं को ले जा रही छोटी गाड़ियों को पार कराया। हालांकि, भारी वाहन को इधर से गुजरने नहीं दिया जा रहा है। दरअसल, मणिपुर के कांगपोकपी जिले के सपरमीना कुब्रूलीखा इलाके में रात्रि के करीब 12.50 बजे हुई। हालांकि, इस विस्फोट में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या दो मणिपुर

की राजधानी इंफाल को नगालैंड के मुख्य वाणिज्यिक शहर डिमापुर से जोड़ती है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को कांगपोकपी जिले में खेतों में काम कर रहे मजदूरों पर अंधाधुंध गोलीबारी की गई थी। हालांकि, इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जाता है कि यह गोलीबारी कल देर शाम तक चलती रही। सुरक्षा बल इस गोलीबारी से निपटने में उलझे रहे, इधर रात को राजमार्ग संख्या दो पर पुल को उड़ाने की कोशिश की गई। इससे पहले एक सप्ताह पूर्व मणिपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर विस्फोट करके राजमार्ग को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। राजमार्ग पर एलपीजी ले जा रहे तीन टैंकरों पर गोलीबारी कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। जिस कारण राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर तब से आवाजाही रुकी हुई है। अब राजमार्ग संख्या 2 के क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही बंद होने की आशंका बन गई है। उल्लेखनीय है कि एक साल से मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। इस दौरान अब तक दो सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। 50 हजार से अधिक लोग अभी भी अपने घरों से विस्थापित होकर शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं।

रंगिया : मतदाता जागरूकता अभियान के रूप में इंटरैक्टिव सत्र आयोजित

रंगिया (विबास)। रंगिया निर्वाचन जिले के अंतर्गत व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी की पहल के हिस्से के रूप में बुधवार को राज्य स्वीप आइकन सिद्धार्थ शर्मा ने रंगिया महाविद्यालय के 400 से भी अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ महाविद्यालय के ऑडिटोरियम भवन में मतदाता जागरूकता अभियान के एक इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया, जोकि आगामी 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा, 2024 के दूसरे चरण के मतदान के पूर्व मौके पर आयोजित किया गया है। असमिया टीवी धारावाहिक बेहरबारी आउटपोस्ट में केके के रूप में लोकप्रिय, आइकन ने सभा में उपस्थित सभी लोगों को शपथ दिलाई और पहली बार मतदान करने वालों से अपील करते हुए उन्होने आग्रह किया कि *भले ही आप पहली बार मतदाता हों, आप अपने साथ 10 और दोस्तों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करें। यह आपका मूल अधिकार है। मुझे उम्मीद है कि आप सही चुनाव करेंगे और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनेंगे।* इस कार्यक्रम में रंगिया कॉलेज के प्राचार्य, संकाय सदस्य, विभिन्न विभागों के प्रमुख, जिला निर्वाचन अधिकारी, रंगिया और स्वीप नोडल अधिकारी सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

कुर्सी बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं मुख्यमंत्री : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा अपनी गद्दी बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। वह असम की जमीन ले भी सकते हैं और असम की जमीन दूसरों को दे भी सकते हैं। वह दूसरों को लाकर असम में बसा भी सकते हैं, असम के लोगों को बाहर भी भेज सकते हैं। गौरव गोगोई बुधवार को दूसरे चरण के चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से वार्ता कर रहे थे। कांग्रेस नेता गोगोई ने आरोप लगाया कि अभी हाल ही में मुख्यमंत्री ने बराक घाटी की जमीन मणिपुर और मिजोरम को देने की

बात कही है। उन्होंने चकमा-हाजोंग को अरुणाचल से लाकर यहां बसने की कोशिशें शुरू की हैं। मुख्यमंत्री का कोई भी ठौर-ठिकाना नहीं है। गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी दरअसल खतरे में है। पार्टी के अंदर जबरदस्त खींचतान चल रहा है। पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता खुलकर चुनाव प्रचार में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जोरहाट में मुख्यमंत्री ने साइकिल चलाने, नाचने से लेकर तमाम कुछ किया लेकिन नतीजा रिजल्ट के साथ सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि नगांव में मुख्यमंत्री ने कई तरह के हथकंडे अपनाए लेकिन कोई असर होते नहीं दिख रहा है।

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने बुधवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कांगपोकपी जिले के गैंगपिजंग हिल रेंज से एक मैगजीन के साथ एक असॉल्ट राइफल, 12 इंच सिंगल बोर बैरल गन, 23 लाइव राउंड गोला-बारूद और पांच फायर्ड कार्टिज केस बरामद किये गए।

बंगाईगांव में तीन दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न

बंगाईगांव। श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह समिति के तत्वाधान में तीन दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। 21 अप्रैल को पहले दिन श्री मूलचंद जालान विवाह भवन में अखंड रामायण पाठ का आयोजन हुआ जिसका समापन अगले दिन हुआ। श्री राजकुमार बजाज एवं श्रीमती रेखा बजाज ने मुख्य जजमान के रूप में सपत्नीक विधि विधान से रामायण की पूजा कराई। दूसरे दिन 22 अप्रैल को श्री राम मंदिर प्रांगण में बाबा रामदेव भक्त मंडल द्वारा सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसी दिन महिला संगठन सखी द्वारा छप्पन भोग अर्पण किया गया। इस बार छप्पन भोग में बंगाल राज्य की थीम रखी गया थी जिसके अंतर्गत बंगला में पीपल के पत्ते पर राम लिखकर मंदिर को सजाया गया था तथा सखी सदस्यों ने बंगाल का परिधान धारण किया था। सुंदरकांड एवं छप्पन भोग में अच्छी संख्या में

महिलाओं एवं पुरुषों ने हिस्सा लिया। श्री हनुमान जन्मोत्सव का मुख्य कार्यक्रम तीसरे दिन 23 अप्रैल को बड़े उल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस दिन बाबा का दूध से अभिषेक किया गया। पूजा अर्चना के साथ हवन किया गया एवं सवामणी महाप्रसाद का भोग लगाकर बजरंग बली की महाआरती की गई जिसमें सैकड़ों भक्तों ने हिस्सा लिया। श्री हनुमान जी की विराट रंगारंग शोभायात्रा विभिन्न झांकियां सहित नाम कीर्तन व भजन मंडलियों द्वारा बाबा की जय जयकार करते हुए मूलचंद जालान विवाह भवन स्थित श्री हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर महावीर स्थान, श्री हनुमान मंदिर बी ओ सी गेट एवं असम केमिकल होते हुए बंगाईगांव रोलर फ्लोर मिल में प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुई। इस शोभा यात्रा में राम दरबार, शिव दरबार, लक्ष्मी विष्णु, राधा कृष्ण की झांकी के अलावा स्थानीय विभिन्न संगोष्ठियों से नाम पार्टी, राजवंशी पार्टी, गोरिया मठ दल, इस्कॉन मंदिर दल आदि शोभा यात्रा में चार चांद लगा रहे थे। शोभा यात्रा में बजरंगबली का मनमोहक रथ सजा हुआ था जिसका रास्ते में भक्तों ने अपने-अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों के सामने बाबा की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। शोभा यात्रा के पूरे मार्ग में बजरंगबली के नारों, श्री राम के जयकारों से शहर गुंजायमान हो रहा था। शोभा यात्रा में पुरुष महिलाएं एवं बच्चों ने अच्छी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पूरे मार्ग में हजारों की संख्या में भक्त सड़क के दोनों और खड़े होकर इस शोभा यात्रा का आनंद ले रहे थे। शोभा यात्रा के संपूर्ण मार्ग में विभिन्न भक्तों एवं संस्थाओं ने विभिन्न प्रकार के पेयजल, जुस, चोकलेट आदि की सुंदर व्यवस्था की जिसमें श्री अग्रवाल युवा परिषद, मारवाड़ी सम्मेलन एवं महिला शाखा, मारवाड़ी युवा मंच, होटल जान्हवी आदि प्रमुख थे। इस शोभा यात्रा में मारवाड़ी समाज के सभी घटक दलों के सदस्यों की पूर्ण भागीदारी देखने को मिली। रात को बाबा के सवामणी महाप्रसाद (सामूहिक भोजन) का आयोजन किया गया जिसमें समाज के भक्तों ने बड़ी संख्या में महाप्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद वितरण में मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही। इसके पहले पूरे शहर को बजरंगबली के पताकों से सजाया गया था तथा मंगलवार को सुबह से ही शहर के विभिन्न मंदिरों में भक्तों की अपार भीड़ देखने को मिली जिन्होंने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई।

एसएसबी की 24वीं बटालियन, रंगिया ने लगाया नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

रंगिया (विभास)। रंगिया के मोरानजना स्थित सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी द्वारा वाहिनी के कमांडेट दीपक सिंह दिशानिर्देश पर बुधवार को वाहिनी के अस्पताल प्रांगण में नेत्र व मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर *सेंटर फॉर साइट, गुवाहाटी* की ओर से आये डॉ. सौरमिता सरकार, ऑप्टोमेट्रिस्ट, कमल मजूमदार, शत्रुघ्न कुमार और उनकी टीम द्वारा वाहिनी की सहायक कमांडेट (चिकित्सा) डॉ. बंदना देवी खबीरम की देख-रेख में किया गया। शिविर के दौरान सभी कार्मिको और उनके परिवारजनो के नेत्र की जांच की गई व उन्हें उचित परामर्श दिया गया। इस दौरान सेटर फॉर साइट की टीम द्वारा सभी को यह भी अवगत कराया गया कि

भारत सरकार के दिशा-निर्देशो के अंतर्गत भारत आयुष्मान योजना के लाभार्थी अपना इलाज सेंटर फॉर साइट, गुवाहाटी मे भी नि:शुल्क करा सकते है। शिविर के दौरान उप-कमांडेट विश्वनाथ मिश्रा, सहायक कमांडेट सनोज राज, सहायक कमांडेट (संचार) रोशन राज और वाहिनी के अन्य अधिकारीगन एवं बल कर्मी उपस्थित रहे।

रंगिया में धारा 144 सीआरपीसी के तहत निषेधाज्ञा जारी

रंगिया (विभास)। रंगिया के महकमाधिपति (सिविल) एवं जिला चुनाव अधिकारी देवाशीष गोस्वामी द्वारा मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर धारा 144 सीआरपीसी के तहत निषेधाज्ञा जारी की गई है। सं.आरएमजे.02/2021/ भारत के चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित निर्देशों के मद्देनजर 31-रंगिया और 32-कमलपुर एचपीसी में लोकसभा के आम चुनाव, 2024 के शांतिपूर्ण संचालन के लिए (खंड 4-दरंग उदालगुड़ी एचपीसी) में धारा 144 सीआरपीसी के तहत संपूर्ण रंगिया निर्वाचन जिले में निम्नलिखित गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा लागू की गई हैं जो इस प्रकार है। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पांच या अधिक व्यक्तियों का एकत्र होना, मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय के साथ समाप्त होने वाली 48 घंटों की अवधि के दौरान गैरकानूनी रूप से एकत्र होना और सार्वजनिक बैठक आयोजित करने पर प्रतिबंध, निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक पदाधिकारियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, जुलूस पदाधिकारियों और अभियान पदाधिकारियों आदि की उपस्थिति, जिन्हें निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से लाया गया है और जो निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, भड़काऊ या सांप्रदायिक या जातिवादी या जाति/वर्ग से संबंधित भाषण/नारे, बैनर/पोस्टर/दीवार लेखन के माध्यम से ऐसे संदेशों का प्रदर्शन, पर्चे, हैंडआउट आदि का वितरण, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं को डराने या प्रभावित करने की संभावना हो, मतदान के दिन मतदान केंद्र के अंदर या अपने परिवार के सदस्यों को मतदान केंद्र पर जाकर अपना मताधिकार प्रयोग करने के लिए टोपी, शॉल आदि जैसे पहनने योग्य वस्त्रों सहित चुनाव से सम्बन्धित कोई सूचना या चिन्ह प्रदर्शित करना, मतदान केंद्र के 200 मीटर के दायरे में निजी वाहनों द्वारा प्रवेश करना, जिनका उपयोग मालिक स्वयं या अपने परिवार के सदस्यों को मतदान केंद्र पर जाकर अपना मताधिकार प्रयोग करने के लिए करते हैं। इसके अलावा, कोई भी व्यक्ति मतदान केंद्र के अंदर या मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी के अंदर किसी सार्वजनिक या निजी स्थान पर निम्नलिखित में से कोई भी कार्य नहीं करेगा।

मनिरुज जमान को पीएचडी

गुवाहाटी। मनिरुज जमान को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) से सम्मानित किया गया है। श्री जमान को यह सम्मान उनकी *अंग्रेजी साहित्य में रॉबर्ट ली फ्रॉस्ट का योगदान* शीर्षक वाली थीसिस के लिए दिया गया। उन्होंने अपना शोध कार्य मुजफ्फरपुर के आरडीएस कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. उमाकांत शर्मा की देखरेख में किया। श्री जमान बरपेटा जिले के कायाकुची हायर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व प्रिंसिपल स्वर्गीय अब्दुल हलीम और स्वर्गीय बसतन नेसा के पुत्र हैं।

जानकी बल्लभ मंदिर, दिसपुर में हर्षोल्लास से संपन्न श्री हनुमान जन्मोत्सव

गुवाहाटी। आज भी जानकी बल्लभ मंदिर, दिसपुर में श्री हनुमान जन्मोत्सव आध्यात्किम रूप से बड़े ही आनंद और हर्षोल्लास के साथ संपेन्न हुआ। बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया। साथ ही मंदिर को भी भव्य एवं दिव्य रूप से सजाया गया। बाबा का दरबार अलौकिक और बड़े ही मनमोहक लग रहा था। प्रात: पूजा-अर्चना के बाद विशेष तौर पर 108 भक्तों द्वारा निशान यात्रा निकाली गई, जो श्री जानकरी बल्लभ मंदिर से प्रारंभ और गशेणगुड़ी से नगर परिभ्रमण कर पुन: मंदिर तक वापस बाबा का जयकारा और जयघोष के साथ संपन्न हुआ। मंदिर में श्री हनुमान जी महाराज का दिव्य मूर्ति स्थापना किया गया है। वह तकरीबन 50 (पचास) साल पहले पटना से स्व. भगवानदास भूत द्वारा लाया गया था, जो बहुत ही जागृत

है, भक्त वत्सल और संकटमोचन हैं। श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ संगीतमयी किया गया। सुबह 11.30 बजे महा-आरती बड़े ही जोस-श्रद्धा से ढोल-नगाड़ों, शंखनाद और घंटा ध्वनि के साथ किया गया। भक्तगणों द्वारा सवामणी प्रसाद का भोग लगाया गया। बाबा का श्रृंगार सिंदूर से किया गया एवं भक्तों द्वारा चोला चढ़ाया गया। बाबा के दर्शन के लिए सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा जो देर रात तक चला। मंदिर में श्री दुर्गाजी और शिवजी के *अखंड-ज्योति* के साथ ही श्री सालासर धाम से लाया गया। *अखं-ज्योति* स्री बालाजी के समक्ष अखंड-प्रज्ज्वलित है, जिसके दर्शन-मात्र से भक्तों के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। मंदिर संचालन समिति द्वारा बड़े ही सुंदर और सुचारू व्यवस्था किया था जिससे दर्शन हेतु आए श्रद्धालुओं को सहज ही दर्शन-पूजन कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पंडित श्री गोपाल काफले द्वारा सभी भक्तों का मधुर मंत्रों द्वारा पूजा-अर्चना संपन्न किया गया। मंदिर संचालन समिति सभी सहयोगी कर्मठ एवं समर्पित भर्क्ति के कार्यों की सराहनी करते हुए सभी के कल्याण के लिए बाबा से प्रार्थना है कि सभी के जीवन के विशेष कृपा आशीर्बाद मिलता रहै।

संपादकीय

कांग्रेस बनाम वाम मोर्चा

इतिहास में झांकें, तो कांग्रेस और खासकर सीपीएम दोनों दुश्मन भी रहे हैं और अवसरवादी मित्र भी रहे हैं। प्रसंगवश 2004 का उल्लेख करता हूं। कांग्रेस 145 सीटें जीत कर लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा 138 सीटें ही जीत पाई थी। अर्थात जनादेश त्रिशंकु था, लिहाजा खिचड़ी सरकार ही बननी थी। उस लोकसभा में वामदलों के कुल 61 सांसद जीत कर आए थे। यह उस दौर में वाम की सबसे शानदार और बड़ी चुनावी जीत थी। तत्कालीन सीपीएम महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने मध्यस्थता की और कांग्रेस के नेतृत्व में, भाजपा-विरोधी दलों को जोड़ कर, यूपीए का गठन किया। सोनिया गांधी को उसका अध्यक्ष बनाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनाए गए और सीपीएम सांसद सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर का पद देकर वाममोर्चे को नवाजा गया। परोक्ष रूप से तब केंद्र में वाममोर्चे की ही सरकार थी, क्योंकि सभी महत्वपूर्ण निर्णय वाममोर्चे की सहमति से ही लिए जाते थे। कांग्रेस-वाम मित्रता की यह मिसाल कुछ और राज्यों में भी देखी गई, जहां दोनों ही दल विपक्षी गठबंधन के घटक थे। बंगाल, केरल, त्रिपुरा में वाम और कांग्रेस के बीच राजनीतिक शत्रुता बनी रही। केरल में तो दो ही मोर्चे सक्रिय रहे-वामदलों के नेतृत्व वाला फ्रंट तथा कांग्रेस नेतृत्व वाला यूनाइटेड फ्रंट। दोनों ही दल और मोर्चे मौजूदा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के भी औपचारिक घटक हैं। यूपीए के आखिरी दौर में 'परमाणु करार' के मुद्दे पर मनमोहन सरकार से वाममोर्चे ने समर्थन वापस ले लिया, लेकिन तब मुलायम सिंह यादव की सपा और अन्य सांसदों के समर्थन से सरकार बची थी, लेकिन 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद जो भी विपक्षी गठबंधन बना, उसमें कांग्रेस और वामपंथी दोनों ही रहे। चूंकि अब लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है, लिहाजा बंगाल, केरल और त्रिपुरा में दोनों ही पक्ष 'कट्टर प्रतिद्वंद्वी' की भूमिका में हैं। केरल तो कांग्रेस के लिए चुनावी जीवन-रेखा है। 2019 के आम चुनाव में केरल में कांग्रेस नेतृत्व के यूनाइटेड फ्रंट ने 20 में से 19 सीटें जीत कर वाम को ध्वस्त कर दिया था। वाम का एकमात्र सांसद चुना गया था। हालांकि तमिलनाडु में वाममोर्चे के 2 सांसद चुने गए थे। कांग्रेस के कुल 52 सांसद चुने गए थे, जिसमें केरल के 15 सांसद थे। इस बार वाममोर्चा यूं ही हथियार डालने को तैयार नहीं है, लिहाजा शब्दों और अलंकारों की लड़ाई शुरू हो गई है। कांग्रेस और वाम एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने की राजनीति कर रहे हैं। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को केरल में भी है। मुख्यमंत्री पी. विजयन ने फरवरी में ही कांग्रेस की तीखी आलोचना करते हुए चुनाव-प्रचार शुरू कर दिया था। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा को 'एकाधिकारवादी' करार दिया। इस बार वायनाड की सीट पर राहुल गांधी का चुनाव भी आसान नहीं है। उनके खिलाफ सीपीआई की उम्मीदवार एनी राजा को उतारा गया है, जो सीपीआई महासचिव डी. राजा की पत्नी हैं और राजनीतिक तौर पर खूब सक्रिय रही हैं। वाम की पूरी सरकार उनके साथ प्रचार में व्यस्त है। केरल के नेता 'अमूल बेबी' नामक आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, तो कांग्रेस भी पीछे नहीं है। क्या ऐसी ही चुनावी प्रतिद्वंद्विता को 'मैत्री-लड़ाई' कह सकते हैं? मुख्यमंत्री और राहुल गांधी एक-दूसरे पर बंदूक ताने सक्रिय हैं। वाममोर्चे की लोकप्रियता और स्वीकार्यता लगातार घट रही है। 2019 में सीपीएम ने 69 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन मात्र 3 ही सांसद जीत कर संसद तक पहुंच पाए। मात्र 2 फीसदी वोट मिले, जो सबसे कम रहा है। इस बार सीपीएम केरल में ही 15 सीटों पर लड़ रही है, जबकि बंगाल में 23 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। केरल 'मरो या मारो' की स्थिति में है। बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस और वाम जिस तरह 'मैत्री-लड़ाई' की आड़ में चुनाव लड़ रहे हैं, उसकी प्रासंगिकता क्या है? क्या उससे भाजपा को ही फायदा नहीं होगा? विपक्ष में वामपंथी और कांग्रेसी लड़ रहे हैं। चुनाव के निष्कर्ष का आकलन यहीं से किया जा सकता है।

प्रसंगवश 2004 का उल्लेख करता हूं। कांग्रेस 145 सीटें जीत कर लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा 138 सीटें ही जीत पाई थी। अर्थात जनादेश त्रिशंकु था, लिहाजा खिचड़ी सरकार ही बननी थी। उस लोकसभा में वामदलों के कुल 61 सांसद जीत कर आए थे। यह उस दौर में वाम की सबसे शानदार और बड़ी चुनावी जीत थी। तत्कालीन सीपीएम महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने मध्यस्थता की और कांग्रेस के नेतृत्व में, भाजपा-विरोधी दलों को जोड़ कर, यूपीए का गठन किया। सोनिया गांधी को उसका अध्यक्ष बनाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनाए गए और सीपीएम सांसद सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर का पद देकर वाममोर्चे को नवाजा गया। परोक्ष रूप से तब केंद्र में वाममोर्चे की ही सरकार थी, क्योंकि सभी महत्वपूर्ण निर्णय वाममोर्चे की सहमति से ही लिए जाते थे।

वर्ष 2000 तक भारत का दवा निर्माण क्षेत्र लगभग पूरी तरह से आत्मनिर्भर था

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता दवा क्षेत्र

डा. अश्वनी महाजन

वर्ष 2000 तक दवा निर्माण के क्षेत्र में जिन एपीआई की आवश्यकता होती थी, वे अधिकांशत: भारत में ही निर्मित होते थे। देश में इनके निर्माताओं में आवश्यक प्रतिस्पर्धा भी थी, जिसके कारण दवा निर्माताओं को देश में एपीआई आसानी से और उचित कीमत पर उपलब्ध होते थे। इसके कारण देश का दवा उद्योग न केवल तेजी से आगे बढ़ रहा था, बल्कि दुनियाभर के लोगों को उचित कीमत पर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने में भी समर्थ था। चीन ने एक षड्यंत्र के तहत भारत के एपीआई क्षेत्र को तबाह करना शुरू किया।

लंबे समय से चीन पर निर्भर भारत के फार्मा क्षेत्र को अब कुछ राहत मिलने लगी है। कारण है आत्मनिर्भर भारत अभियान। गौरतलब है कि वर्ष 2000 तक भारत का दवा निर्माण क्षेत्र लगभग पूरी तरह से आत्मनिर्भर था। दवा निर्माण में जो आवश्यक सामग्री इस्तेमाल होती है, उसे एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स, यानी एपीआई के नाम से जाना जाता है। वर्ष 2000 तक दवा निर्माण के क्षेत्र में जिन एपीआई की आवश्यकता होती थी, वे अधिकांशतः भारत में ही निर्मित होते थे। देश में इनके निर्माताओं में आवश्यक प्रतिस्पर्धा भी थी, जिसके कारण दवा निर्माताओं को देश में एपीआई आसानी से और उचित कीमत पर उपलब्ध होते थे। इसके कारण देश का दवा उद्योग न केवल तेजी से आगे बढ़ रहा था, बल्कि दुनियाभर के लोगों को उचित कीमत पर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने में भी समर्थ था। चीन ने एक षड्यंत्र के तहत भारत के एपीआई क्षेत्र को तबाह करना शुरू किया। चीन से आने वाले एपीआई को अत्यंत ही कम कीमतों पर भारत में भेजा जाने लगा। इसका असर यह हुआ कि भारत का एपीआई उद्योग प्रतिस्पर्धी नहीं रहा और हमारी एपीआई इकाइयां धीरे-धीरे करके बंद होने लगी। एक उदाहरण से यह बात स्पष्ट की जा सकती है। एमोक्सीसाइक्लिन नाम की एंटीबायोटिक दवा, एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट पेनीसिलिन-जी से व्युत्पन्न उत्पाद है। पेनीसिलिन-जी नाम की एपीआई भारत में पर्याप्त मात्रा में बनती थी और उसका अंतरराष्ट्रीय मूल्य लगभग 22 डॉलर प्रति किलोग्राम था। लेकिन चीन ने इस एपीआई की डंपिंग 9 डॉलर प्रति किलो से भी कम पर करनी शुरू कर दी। इसके कारण भारत की इस एपीआई को बनाने वाली इकाइयां बंद हो गईं। उसके बाद चीन ने इसी एपीआई को पहले दोगुणा और फिर चार गुणा कीमत पर बेचना शुरू कर दिया। किसी विकल्प के अभाव में भारत की दवा कंपनियों को यह एपीआई, चीन द्वारा निर्धारित कीमत पर खरीदना जरूरी हो गया। लगभग यही स्थिति अन्य एपीआई की भी रही और कई एपीआई पूर्व से 10 से 20 गुणा कीमत पर भी बेचे जाने लगे। उदाहरण के लिए फॉलिक एसिड, जो विटामिन की दवा बनाने के काम आता है, की कीमत 13 गुणा से भी ज्यादा बढ़ा दी गई थी। ऐसी स्थिति दवाओं के लगभग सभी एपीआई के संदर्भ में थी। कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि कोरोना काल में देखी गई और यह समझ में आना शुरू हुआ कि देश में एपीआई उद्योग की पुर्नस्थापना, केवल

दवा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए या दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए ही नहीं, बल्कि देश में स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। यह सर्वविदित ही है कि चीन भारत के साथ शत्रुतापूर्ण संबंध रखता है, इसलिए दवा के लिए आवश्यक सामग्री हेतु चीन पर निर्भर नहीं किया जा सकता। एपीआई में आत्मनिर्भरता : मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन सभी वस्तुओं, जिनका उत्पादन चीन और अन्य देशों द्वारा डंपिंग के कारण बाधित हो गया था, के उद्योगों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से और देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और विदेशों पर निर्भरता को समाप्त करने के उद्देश्य से, आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की। प्रारंभिक तौर पर इसके लिए जिन वस्तुओं की 13 श्रेणियों को चिन्हित किया गया, उनमें एपीआई भी शामिल थे। आत्मनिर्भरता हेतु अपनाए गए उपायों में से एक महत्वपूर्ण उपाय को उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन यानी प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के रूप में जाना जाता है। गौरतलब है कि एपीआई क्षेत्र के लिए इस पीएलआई स्कीम में 41 उत्पाद शामिल किए गए, जिनमें मधुमेह, तपेदिक, स्टेरॉयड और एंटीबायोटिक्स के लिए दवाओं पर विशेष आग्रह रखा गया, और उसके लिए 20000 करोड़ रुपए की राशि प्रस्तावित की गई। यह योजना 21 जुलाई 2020 को अधिसूचित की गई। हर्ष का विषय यह है कि यह योजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने लगी है और देश दवा उद्योग के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। उदाहरण के लिए पेनिसिलिन-जी, जिसका भारत में उत्पादन बंद हो गया था, जिसके कारण भारतीय उद्योगों से इस एपीआई की ऊंची कीमत वसूली जा रही थी, अब उसके उत्पादन हेतु ऑरविन्दो फार्मा लिमिटेड, टोरेंट फार्मास्यूटिकल आदि कंपनियों ने इसकी उत्पादन इकाइयां शुरू कर दी हैं और माना जा रहा है कि ऑरविन्दो फार्मा इस पेनिसिलिन-जी एपीआई का उत्पादन अप्रैल, 2024 में और टोरेंट जून-जुलाई 2024 में शुरू कर देगा। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया का यह कहना है कि पीएलआई योजना और अन्य प्रयासों के कारण आज भारत अधिकांश एपीआई में आत्मनिर्भरता हासिल कर चुका है, जिसके कारण चीन पर निर्भरता कम हुई है। सितंबर 2023 तक पीएलआई स्कीम के तहत फार्मा कंपनियों को 4000 करोड़ रुपए और मेडिकल उपकरणों के लिए 2000 करोड़ रुपए के निवेश की अनुमति दी जा चुकी थी। इसके अलावा केन्द्र ने 3000 करोड़ रुपए की लागत से तीन बल्क (थोक) ड्रग पार्कों का निर्माण किया है। घटने लगी हैं कीमतें : जैसे-जैसे एपीआई के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के सुपरिणाम आने लगे हैं, वैसे-वैसे एपीआई की कीमतें भी घटने लगी हैं। फार्मा उद्योग के जानकार बता रहे हैं कि एपीआई की कीमतों में कोविड के समय से अभी तक 50 प्रतिशत की कमी आई है। इसमें से सबसे तेज गति से कमी पिछले दो महीनों में ही आई है। समझा जा सकता है कि कोविड काल में जब एपीआई के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के प्रयास शुरू हुए थे, अब वे फलीभूत होना शुरू हुए हैं। इकॉनोमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार बुखार की दवा पैरासिटामोल के एपीआई की कीमत जो कोविड काल में 900 रुपए प्रति किलो पहुंच गई थी, वह घटकर अब मात्र 250 रुपए प्रति किलो रह गई है। उसी प्रकार अस्थमा की दवा मॉनटैलूकास्ट सोडियम 45000 रुपए प्रति किलो से घटकर मात्र 28000 रुपए प्रति किलो रह गई है। एंटीबायोटिक मेरोपिनेम की एपीआई की कीमत 75000 रुपए प्रति किलो से घटकर 45000 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। जानकारों का मानना है कि भारत में एपीआई उत्पादन में उठाव के चलते चीन का दवा (एपीआई और मध्यवर्ती उत्पाद समेत) कार्टेल पिछले छह महीने में टूट चुका है। शायद चीन को इस बात का आभास नहीं था कि भारत इतनी बड़ी तादाद में अपने दवा उद्योग को पुनर्जीवित करेगा। इसलिए उसने दुनिया भर के दवा उद्योग पर कब्जा जमाने की दृष्टि से अतिरिक्त क्षमता का निर्माण कर लिया था। अब ऊंची क्षमता के कारण चीन में एपीआई की आपूर्ति बहुत अधिक बढने के कारण कीमतों में कमी स्वाभाविक परिणाम है। गौरतलब है कि वर्ष 2021-22 में भारत द्वारा एपीआई के आयात में भारी वृद्धि हुई थी।

दृष्टि कोण

देश के लिए शहादत और बलिदान का महीना

भारत के इतिहास में अप्रैल का महीना ब्रिटिश राज द्वारा जलियांवाला में हुए नर संहार के लिए काले में पन्नों में दर्ज है तो यही महीना पेशावर में चन्द्र सिंह गढ़वाली और उनके मातहत सैनिकों द्वारा अपने जीवन और नौकरी की परवाह न करते हुए निहत्थे पठानों को बचाने तथा स्वाधीनता आन्दोलन के महायज्ञ में दी गई आहुति के लिए भी याद रखा जाएगा। भले ही आज पेशावर पाकिस्तान में है मगर गढ़वाली सैनिकों के साहस और जज्बे की मिसाल उस जमीन पर सदैव अक्षुण रहेगी। पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल फ्रांसिस ओ'ड्वायर और ब्रिगेडियर जनरल (अस्थाई प्रमोशन) रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर द्वारा अमृतसर के स्वर्णमंदिर के निकट स्थित जलियांवाला बाग में किया गया नरसंहार इसी अप्रैल के महीने की 13 तारीख को हुआ था जिसमें सरकारी तौर पर 379 लोगों के मारे जाने और लगभग 1200 के घायल होने की पुष्टि बाद में की गई मगर स्वतंत्र इतिहासकारों के अनुसार इस क्रूरतम नरसंहार में 500 से अधिक लोग मारे गए, जबकि हजारों अन्य घायल हुए जिनमें लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल फ्रांसिस ओ'ड्वायर का 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में गोली मारकर वध करने वाला महान क्रांतिकारी उधमसिंह भी शामिल था। सन् 1930 में इसी अप्रैल महीने की 23 तारीख को चन्द्रसिंह गढ़वाली के नेतृत्व में गढ़वाली सैनिकों ने पेशावर में सीमान्त गांधी के नाम से पुकारे जाने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल गफ्फार खान के समर्थन में जुटे पठानों पर गोलियां बरसा कर नर संहार करने से साफ इंकार कर दिया था। इस विद्रोह में इन सैनिकों को मृत्यु दण्ड से तो बचा लिया गया मगर विभिन्न जेलों में उन्हें लम्बी सजाएं अवश्य भुगतनी पड़ी। 23 अप्रैल, 1930 के पेशावर कांड में गोलीबारी के आदेश दने वाला कमांडिंग ऑफिसर जॉर्ज हर्बर्ट एडवर्ड पर्सी हैमंड था जो वहां ब्रिटिश सेना का क्षेत्रीय कमांडर था। उसने निहत्थे आन्दोलनकारी पठानों पर गोलीबारी से इंकार करने के बाद गढ़वालियों के हथियार छीनकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था और गोलियां चलाने के लिए दूसरी टुकड़ी को आदेश दे दिया था। गढ़वाली सैनिकों की गिरफ्तारी के बाद पेशावर शहर तथा थाने के पास गोलीबारी में अनेक लोग अवश्य मरे मगर जलियांवाला नरसंहार की पुनरावृत्ति अवश्य रुक गई। इस कांड से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को और बढ़ावा मिला। इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा पेशावर कांड की जांच के लिए

गठित वी.जे, पटेल की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार 23 अप्रैल 1930 के पेशावर कांड में पुलिस और सेनिक टकड़ी द्वारा फायरिंग की घटनाओं में कम से कम 20 आन्दोलनकारी मारे गए तथा 21 घायल हुए थे। रिपोर्ट में अपुष्ट स्रोतों से मरने वालों की संख्या काफी अधिक बताई गई, साथ ही उन्हीं अपुष्ट स्रोतों ने कमेटी को पुलिस द्वारा शवों को गायब करने और घायलों के सामने न आने की बात भी बताई। जांच कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार गिरफ्तारी के डर से कई घायल आन्दोलनकारी अस्पताल नहीं गये जिस कारण घायलों की सही संख्या का पता नहीं चल सका। दोनों घटनाएं ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों द्वारा ब्रिटिश शासन के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे भारतीय नागरिकों के खिलाफ हिंसक बल का उपयोग करने के उदाहरण थीं। दोनों ही मामलों में निहत्थे नागरिकों को ब्रिटिश सेना द्वारा निशाना बनाया गया। इन दोनों ही घटनाओं में बड़ी संख्या में निहत्थे नागरिक मारे गये या घायल हुए। जलियांवाला बाग हत्याकांड में सैकड़ों लोगों की मौत हुई, जबकि पेशावर कांड में भी कई नागरिक मारे गए और घायल हुए। मगर गढ़वाली सैनिकों के विद्रोह के कारण भारी खून-खराबा नहीं हो सका। दोनों घटनाओं से भारतीयों में व्यापक आक्रोश और निंदा हुई, जिससे ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ गया। जलियांवाला बाग नरसंहार पंजाब के अमृतसर में दो राष्ट्रवादी नेताओं, डॉ. सत्यपाल और डॉ. सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी और निर्वासन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ था। जबकिपेशावर कांड, जो अब पाकिस्तान में है, 'फ्रंटियर गांधी' के नाम से जाने जाने वाले एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता अब्दुल गफ्फार खान की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। जलियांवाला बाग हत्याकांड का नेतृत्व मुख्य रूप से पंजाब के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने किया था।

कुछ अलग

अंधे अंधा ठेलिया...

एक समय की बात है। ज़ोम्बीद्वीप में एक बुद्धिमान, न्यायप्रिय और संवेदनशील राजा राज्य करता था। देश में राजशाही के बावजूद लोकतंत्र में उसकी गहन आस्था थी। उसने एक संविधान के निर्माण के बाद उसे न केवल लागू करवाया बल्कि उसकी रक्षा के लिए क़ानून भी बनाया। देश का नाम भले ही ज़ोम्बीद्वीप था, परन्तु उसके लोग ज़ोम्बी नहीं थे। देश बहुधर्मी था और सभी धर्मों के लोग आपस में बड़े प्रेम, भाईचारे और सौहार्द से रहते। राजा का एक लडक़ा था। देखने में साधारण होने के बावजूद वह अपने आपको धर्मेन्द्र से कम नहीं समझता। आत्ममुग्धता का शिकार राजकुमार दिन में दस बार कपड़े बदलता। वह स्वभाव से मनमौजी, अक्ल से साधारण और नीयत से बेईमान था। झूठ बोलने में उसे विशेष आनन्द आता। धीरे-धीरे उसने झूठ बोलने में इतनी महारत हासिल कर ली थी कि वह दिन में एक ही व्यक्ति को दस बार मूर्ख बना सकता था। बूढ़े होते राजा ने शासन की बागडोर अपने बेटे को सौंपना चाही। परन्तु उसके खिलंदड़ स्वभाव से परेशान राजा ने सम्पूर्ण राजपाट सौंपने की बजाय पहले उसे युवराज घोषित किया। उसने सोचा कि जब राजकुमार शासन की बारीकियां सीख जाएगा तब उसे राजा घोषित करने के बाद वह जंगल की राह पकड़ लेगा। झूठ बोलने में माहिर युवराज ने अपने पिता को यह विश्वास दिला दिया कि पूरी दुनिया में ज़ोम्बीद्वीप का डंका बज रहा है। राजा ने 'सब चंगा है' सोच कर जंगल की राह पकड़ ली। युवराज ने राजा बनने के बाद अपने मनमौज़ी स्वभाव के अनुरूप प्रजा को हांकना शुरू कर दिया। देश के सभी अमीर सेठ उसके लंगोटिया यार थे, जो केवल अपना मुनाफा कूटने में मस्त रहते। फलस्वरूप देश में बेरोजग़ारी और महंगाई बढने लगी, कृषि उत्पादन गिर गया और देश की आर्थिकी डगमगाने लगी। इसके बावजूद राजा अपने आपको महान सिद्ध करने के लिए अपने पुरखों को गरियाते हुए राज्य की परिसम्पत्तियां बेचता रहता। उसकी देखादेखी प्रजा भी झूठ बोलने लगी। लोकतांत्रिक आदर्शों और मूल्यों को लतियाते हुए प्रजा ने विधर्मियों और कमज़ोर वर्गों को मारना-पीटना शुरू कर दिया। पर मौज-मस्ती में मगन रहने वाला राजा इतना झूठ बोलता कि धीरे-धीरे उसे यक़ीन होने लगा कि वह राजा हरीशचंद्र है। नारसिस्ट होने के अलावा अब वह मिथोमैनिक भी हो गया था। तुकबंदी में माहिर नए राजा ने लोगों को सपने बेचना शुरू कर दिए। राजा के वस्त्र विन्यास, साज-सज्जा और वृक्तता से अभिभूत बहुसंख्यक वर्ग के अधिकांश लोग उसके अंधभक्त हो गए। लेकिन अभी भी कुछ कथित बुद्धिजीवी थे, जो राजा की हाँ में हाँ मिलाने को तैयार नहीं थे। नारसिस्ट, मिथोमैनिक और खिलंदड़ राजा के दिल में अमर होने की चाह टमाटर और प्याज़ की पैदावार कम होने पर क़ीमतों में होने वाली वृद्धि की तरह आसमानी उछाल मार रही थी। वह उठते-बैठते सोचता कि इन बुद्धिजीवियों से कैसे पार पाया जाए। उसे परेशान देखकर उसके महामंत्री ने सलाह दी कि अक्ल से अंधे जो लोग पहले ही उसके साथ हैं, उनके साथ कुछ ख़ास करने की ज़रूरत नहीं। बस राष्ट्रवाद के नाम पर छद्म शत्रु, विधर्मियों और कमज़ोरों को गरियाते हुए अंधभक्तों को सुनहरे सपने बेचने हैं। ख़ाली जेबों के बावजूद राष्ट्रवाद के नाम पर ये अंधभक्त अपनी जान तक देने की बात करने लगेंगे। महामंत्री की सलाह मानते हुए राजा ने विरोधी बुद्धिजीवियों को बिना मुक़द्दमों के जेल में डालना शुरू कर दिया। कुछ विरोधी बुद्धिजीवियों को अंधभक्तों ने राष्ट्रविरोधी बताते हुए सडक़ों पर मार दिया। इसके बाद उन्हें बौद्धिक रूप से अंधा बनाने के लिए गोदी माडिया के माध्यम से फेक न्यूज़ के जो छप्पन भोग परसे जाते, उनमें राजा के वैश्विक चक्रवर्ती सम्राट होने, समस्त ब्रह्मांड में उसका डंका बजने, राष्ट्र का अग्रणी होना आदि शामिल थे। राजा को अब पूरा यक़ीन हो गया था कि अब उसे अमर होने से कोई नहीं रोक सकता।

देश दुनीया से

बेसहारा गोवंश को आश्रय दे प्रदेश सरकार

ऋषियों के आश्रम जंगलों में होते थे। वहां हजारों गउएं स्वतंत्र रूप से विचरण करती और जंगलों में चरती थीं। भगवान श्रीकृष्ण जी ने द्वापर युग में खुद गऊओं की सेवा की। इसलिए उनका एक नाम श्री गोपाल आज भी संसार भर में प्रसिद्घ है। भगवान ने मानव जाति को गाय वरदान स्वरूप दी थी, लेकिन आज का स्वार्थी मानव गाय को आफत समझ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब गाय के दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे। जब गाय नहीं होगी तो किसान नहीं होगा। जब किसान नहीं होंगे तो गांव भी नहीं होंगे। जब गांव नहीं होंगे तो देश नहीं होगा। धीरे-धीरे तेल के भंडार कम हो रहे हैं।

भारतीय सभ्यता में गाय को सदैव देवी माता स्वरूप माना जाता है। भारत में गोपालन की प्राचीन काल से ही परंपरा रही है। इसलिए उस समय घी, दूध और दही की नदियां बहती थीं। ऋषियों के आश्रम जंगलों में होते थे। वहां हजारों गउएं स्वतंत्र रूप से विचरण करती और जंगलों में चरती थीं। भगवान श्रीकृष्ण जी ने द्वापर युग में खुद गऊओं की सेवा की। इसलिए उनका एक नाम श्री गोपाल आज भी संसार भर में प्रसिद्घ है। भगवान ने मानव जाति को गाय वरदान स्वरूप दी थी, लेकिन आज का स्वार्थी मानव गाय को आफत समझ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब गाय के दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे। जब गाय नहीं होगी तो किसान नहीं होगा। जब किसान नहीं होंगे तो गांव भी नहीं होंगे। जब गांव नहीं होंगे तो देश नहीं होगा। धीरे-धीरे तेल के भंडार कम हो रहे हैं। जब तेल खत्म हो जाएगा, तब खेती के लिए बैलों की जरूरत होगी, लेकिन क्या तब तक बैल बच पाएंगे? खेद है कि 33 करोड़ देवी-देवताओं को धारण करने वाली, पंचगव्य देने वाली, सूतक-पातक से बचाने वाली गाय माता आज जूठन खा रही है, पत्थर व डंडे खा रही है। भाईयो व बहनो, जिस घर में, जिस गांव में संतान के कारण मां रोती है, वहां पर कभी कल्याण नहीं हो सकता है। गाय मां है और बैल धर्म है। गाय के पंचगव्य से अनेकों प्रकार की औषधियां बनती हैं। गऊ पूजन व गौदान का विशेष महत्त्व होता है। भैंस पूजन का महत्व नहीं है। प्रातः उठकर गाय के शरीर पर हाथ फेरो, परिक्रमा करके चरण वंदना करो तथा एक मु_ी घास या एक रोटी गाय को हर रोज दें, ऐसा करने से प्रभु के अवश्य दर्शन होते हैं। रोगी गाय को औषधि व सेवा करने वाला व्यक्ति रोगमुक्त हो जाता है। वर्तमान में गोबर से निर्मित वस्तुएं, यथा आभूषण, राखी, झूमर, मूर्तियां, गमले एवं नेम प्लेट सर्वाधिक चलन में हैं। अगर हम हिमाचल प्रदेश की वर्तमान स्थिति की बात करें तो यहां पर गौवंश की स्थिति ठीक नहीं है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस समय में लगभग 10000 से अधिक गौवंश बेसहारा चारे तथा पानी की तलाश में इधर से उधर धक्के खा रहे हैं, जो हमारे देवभूमि के लोगों के लिए बड़े ही दुःख और शर्म की बात है। पूर्व में रहे ग्रामीण पशुपालन मंत्री श्री वीरेंद्र कंवर और पूर्व मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश गौसेवा आयोग की स्थापना करके इन बेसहारा गौवंश को आश्रय देने के लिए प्रदेश में कई स्थानों पर बड़ी-बड़ी गऊ सैंक्चुरी और गौशालाओं की स्थापना करके बड़ा साहसिक और नेक कार्य किया है। लेखक ने सरकार के वर्तमान कृषि एवं पुशपालन मंत्री को 14.11.2023 को बेसहारा गौवंश के लिए गौसेवा आयोग द्वारा गौशालाएं व गऊ सैंक्चुरी बनाने तथा गौसेवकों की भर्ती करने बारे कुछ सुझाव एक पत्र द्वारा भेजे थे तथा उस पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, पीडब्ल्यूडी मंत्री तथा अन्य को भी भेजी थी। मुख्य जरूरी सुझाव ये हैं : एक, इस समय प्रदेश में जो लगभग 10000 से ज्यादा बेसहारा गौवंश हैं, इनकी सेवा के लिए गौसेवा आयोग प्रत्येक जिले के प्रत्येक विकास खंड में तीन-तीन बड़ी गौशालाएं बनाएं, ताकि इन अभागे पालतू छोड़े हुए बेसहारा गौवंश को इनका खोया हुआ रैन-बसेरा दोबारा मिले सके। दो, इन 10000 बेसहारा गौवंश की सेवा के लिए गौसेवा आयोग 1000 गौसेवकों की भर्ती करे, यानी प्रत्येक 10 गौवंश पर एक गौसेवक नियुक्त हो, जिसकी तनख्वाह प्रति महीना 6000 रुपए हो तथा साथ में मुफ्त रिहायश और भोजन की व्यवस्था हो। तीन, इन गौसेवकों को आठ या दस साल बाद की सेवा के बाद प्रदेश सरकार अपने विभागों या बोर्डों में चतुर्थ श्रेणी कर्मियों में नियुक्त करने का प्रबन्ध करे। चार, जितने भी लोगों ने प्रदेश में गाय या बैल पाल रखे हैं, उन सबकी रजिस्ट्रेशन होनी चाहिए यानी उन सबके गौवंश कार्ड बनाए जाने चाहिएं, जैसे आदमियों के राशन कार्ड बनाए जाते हैं। यह कार्य पशुपालन विभाग द्वारा पंचायतों के सहयोग से किया जाना चाहिए। पांच, अगर कोई पशुपालक अपने गौवंश को बेसहारा छोड़ता है तो ऐसे पशुपालक को पहली बार 15000 रुपए, दूसरी बार 20000 रुपए और तीसरी बार 25000 रुपए और एक साल की सजा भी होनी चाहिए। छह, प्रदेश सरकार राज्य में गोमूत्र आधारित कोई बड़ी आयुर्वेदिक फार्मेसी स्थापित करे ताकि गौवंश पालने वालों को आर्थिक सहायता भी मिल सके और प्रदेश की जनता को आयुर्वेदिक औषधियां भी मिल सके। सात, पशुपालकों को बढिया बैल पालने पर गौसेवा आयोग द्वारा सालाना लगभग 6000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जानी चाहिए। आठ, जो शामलात भूमि सरकार के पास वनों के साथ है, वहां सरकार उस भूमि का अधिग्रहण करके या किसानों से बंजर भूमि लेकर गौशालाएं बनाए। नौ, सरकार शराब की बिक्री से अढ़ाई रुपए प्रति बोतल की सैस को बढ़ाकर 10 रुपए प्रति बोतल के हिसाब से गौ कल्याण कोष के लिए निर्धारित करे। दस, प्रदेश सरकार बड़े मंदिर ट्रस्टों की आमदन के 15 प्रतिशत हिस्से को बढ़ाकर 25 प्रतिशत गौ कल्याण कोष के लिए निर्धारित करे।

आप का नजरीया

सादगी से दूर सियासत

पहली बार हिमाचल में सियासत ने ग्लैमर की राह पर अपना कद देखना शुरू किया है, ऐसा भी नहीं, लेकिन चुनाव की दहलीज अब कीमत मांगती है। राजनीति में सादगी या सादगी में राजनीति के तरकश में अब तीर कहां। ऐसे में पके पकाए नेताओं के घर में ग्लैमर की संभावना बढ़ गई है। सोशल मीडिया की मर्जी या बेहतर इस्तेमाल से जो नेता अपना आभामंडल बना पा रहे, उन्हें कबूल करने के तर्क बढ़ जाते हैं। मसलन मंडी संसदीय सीट में राज परिवार का ग्लैमर सिर चढक़र बोला है, तो प्रतिभा सिंह की पिछली जीत का मतलब पार्टी राजनीति से कहीं ऊपर देखा गया। इस बार परिवार के ग्लैमर में बेटा बाजी मार रहा है, तो मानना पड़ेगा कि विक्रमादित्य सिंह का इकबाल मां से भारी है। सामने फिल्मी पर्दे और हकीकत के बीच कंगना का अवतार हिमाचल की परीक्षा में उतर आया है। यकीनन प्रदेश और देश की राजनीति में इतना तो फर्क है कि चर्चाओं का मुकाबला ग्लैमर की चोंच से होने लगा है। दे

विपक्ष के पास ना नीति है, ना नीयत और ना ही नेता : उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी

भीलवाड़ा (हिंस)। दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन बुधवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। दीया कुमारी ने भीलवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में एक रोड शो के ज़रिए सघन जनसंपर्क किया। इस मौक़े पर उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास ना कोई एजेंडा है, ना ही कोई विजन। दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस के पास ना नीति है, ना नीयत है और ना ही कोई नेता है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पिछले दस सालों में किया गया काम, उनका सशक्त विजन और 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनाने के लिए किए जा रहे है, वह प्रयास सभी के सामने है। यह

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है कि भारत उनके तीसरे कार्यकाल में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। मोदी के सशक्त नेतृत्व में होने वाले विकास का फ़ायदा सभी को बराबर मिलेगा और उनकी जनकल्याणकारी योजनाएं – सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की तर्ज पर सभी नागरिकों तक पहुंच रही है। अपनी अथक मेहनत से मोदी ने देश में हर व्यक्ति के मन में जगह बनायी है। इस बार हम सभी ने मिल कर चार सौ पार का लक्ष्य पूरा करने का संकल्प लिया है। मेरा पूरा विश्वास है कि राजस्थान पूरे पच्चीस कमलों की माला मोदी को भेंट करने जा रहा है और एक बड़े बहुमत के साथ दामोदर अग्रवाल भी संसद पहुंचेंगे। उपमुख्यमंत्री ने रोड शो से पहले दूदाधारी मंदिर में ठाकुर जी के दर्शन किए और फिर खुली जीप में सवार हो कर शहीद चौक, धानमंडी होते हुए अंबेडकर सर्किल तक पहुंची। उनके साथ भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, निवर्तमान सांसद सुभाष बहेडिया, भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी, मांडल विधायक उदयलाल भडाणा, पूर्व विधायक विठ्ठल शंकर अवस्थी और नगर परिषद सभापति राकेश पाठक मौजूद थे।

सांबा पुलिस ने कुख्यात अपराधी पर लगाया पीएसए

सांबा (हिंस)। जिला सांबा पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एसएसपी सांबा विनय कुमार की देखरेख में कुख्यात अपराधी को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लेकर उसे जेल में बंद किया है। जानकारी के अनुसार कुख्यात अपराधी शिव दयाल उर्फ सन्नी पुत्र राजिंदर कुमार निवासी चोहाला कोठे तहसील आरएस पुरा जिला जम्मू ए/पी वार्ड 06 तेली बस्ती बाड़ी ब्राह्मणा जिला सांबा के खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी आपराधिक गतिविधियों ने सार्वजनिक शांति और अमन-चैन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया था।

मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाएंगे तो भारत की अर्थव्यवस्था तीसरे नंबर पर होगी : जेपी नड्डा

भागलपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था पिछड़ती जा रही है। भारत की अर्थ व्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है। आज हमारे देश की अर्थव्यवस्था पांचवें नंबर की बन गई है। जिस ब्रिटेन ने हम पर 200 साल राज किया। हमने उसको पछाड़कर भारत को पांचवें नंबर पर खड़ा कर दिया है। अगर आपने यहां के उम्मीदवार को जीता कर मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाएंगे तो भारत तीसरे नंबर के अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में चाहे देश की राजनीति हो या प्रदेश की 10 सालों में बहुत परिवर्तन आया है। पीएम मोदी ने 10 सालों में आम आदमी की मानसिकता को बदल दिया है। मेरे बचपन के 20 साल बिहार में ही बीते हैं। पहले की स्थिति से हम अच्छी तरह वाकिफ हैं लेकिन आज बदलते बिहार, बदलता भागलपुर को अपनी आंखों से देख रहा हूं। यह बदलाव राजनीतिक सोच की वजह से हो पाया है। आज विकास की राजनीति हो रही है। बिहार राजनीतिक दृष्टि से बहुत ही सजग है। यहां के लोग देश और प्रदेश के प्रति अपने दायित्व से पीछे नहीं हटते हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, किसान, मजदूर, महिला को नरेंद्र मोदी की नीतियों ने ताकत दिया है। सभा को उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विधायक पवन यादव, इंजीनियर ललन पासवान, गोपाल मंडल, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार ने संबोधित किया।

कांग्रेस का घोषणापत्र देश को तोड़ने वाला पत्र : संजय सेठ

रांची (हिंस)। रांची के सांसद सह भाजपा उम्मीदवार संजय सेठ ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र देश को तोड़ने वाला पत्र है। हिंदू मुस्लिम को लड़ाने वाला पत्र है। इन्होंने हमेशा हिंदू-मुसलमान किया है। समाज को बांटने का काम किया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में जो बातें लिखी गई हैं, उसके पीछे इनका एक हिडन एजेंडा है। यह पूरी तरह से वामपंथी अर्बन नक्सल के द्वारा तैयार किया गया घोषणा पत्र है। सेठ बुधवार को अरगोड़ा स्थित कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। भाजपा उम्मीदवार ने कहा कि वर्ष 2013 में जब कांग्रेस की सरकार थी तब इन लोगों ने सांप्रदायिक लक्षित हिंसा अधिनियम के नाम से एक विधेयक लाया था। यह इतना खतरनाक विधेयक था, जिसमें यहां बैठे सारे लोग इसकी चपेट में आते। सबका जीवन बर्बाद हो जाता।

मनोज तिवारी के रोड शो के दौरान फुटानी चौक पर भाजपा प्रत्याशी का विरोध, लगे नारे

अररिया (हिंस)। अररिया के सिकटी विधानसभा क्षेत्र के बरदाहा बाजार में भोजपुरी फिल्म के सीने स्टार मनोज तिवारी के रोड शो के दौरान भाजपा प्रत्याशी एवं निवर्तमान सांसद प्रदीप कुमार सिंह का लोगों ने विरोध किया और जमकर उनके खिलाफ नारेबाजी की। फुटानी चौक के समीप जब रोड शो के दौरान मनोज तिवारी का काफिला पहुंचा तो सड़क के किनारे नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, जय श्री राम के नारे के साथ प्रदीप सिंह मुर्दाबाद के नारे लगाए। जिसको देखकर रोड शो कर रहे मनोज तिवारी का काफिला तेजी से निकल पड़ा, जबकि मनोज तिवारी के साथ भाजपा के प्रत्याशी प्रदीप कुमार सिंह, सिकटी विधायक विजय कुमार मंडल और अन्य भाजपा नेता शामिल थे। ग्रामीणों का कहना

था कि प्रदीप कुमार सिंह चुनाव जीतने के बाद कभी गांव की ओर नहीं आए और न किसी सुख दुख में कोई सहायता दी। बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। मौके पर मौजूद गणेश कुमार ने कहा कि पिछले बार चुनाव के बाद एमपी बनने के बाद अभी तक गांव में देखने के लिए भाजपा के प्रत्याशी नहीं पहुंचे। ग्रामीणों ने भाजपा अभ्यर्थी पर इलाके के विकास और अन्य कार्यों में दोहरी नीति के तहत भाजपा प्रत्याशी पर उपेक्षा करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने स्पष्ट तौर पर कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन लोगों का कोई बैर नहीं है, लेकिन स्थानीय सांसद और भाजपा प्रत्याशी के उपेक्षित रवैया के कारण उसका बैर है, जिसको लेकर वेलोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

जनता ने लिया सपा-बसपा मुक्त उत्तर प्रदेश का संकल्प : केशव प्रसाद मौर्य

एटा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अमांपुर कासगंज में एटा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी की हवा थी। 2019 में आंधी थी और अब 2024 में तूफान चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रोकने के लिए भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे हुए लोगों ने गठबंधन बनाया है। जनता इनके गठबंधन की गांठ खोलने वाली है। देश की जनता ने सपा-बसपा मुक्त उत्तर प्रदेश, कांग्रेस मुक्त भारत देश का संकल्प लिया है। समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी बनाना है। उन्होंने नारा लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के अन्दर नरेंद्र मोदी का बज रहा है डंका और सपा, बसपा, कांग्रेस की जल रही लंका। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस के लोगों का भ्रष्टाचारी व आपराधिक इतिहास किसी से छुपा नहीं है। सपा की गुंडागर्दी, अपराध, दंगाई और माफियाराज से मुक्ति के लिए जनता ने भाजपा को 2017 में आशीर्वाद दिया था। इससे डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश को माफिया, गुण्डों व भ्रष्टाचारियों से मुक्त करके भयमुक्त वातावरण दिया। उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा-कांग्रेस सभी एक हो गए थे। गरीब मां-बाप के

बेटे, पिछड़े वर्ग से आने वाले नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में विपक्ष बर्दास्त नहीं कर पा रहा है। मौर्य ने कहा कि कांग्रेस के काले कारनामे उजागर हो रहे हैं। सपा बसपा और कांग्रेस के लोग आम आदमी की गाढ़ी कमाई का आधा हिस्सा अपने खाते में जमा करना चाहते हैं। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के कानून का उल्लघंन करते हुए इंडी गठबंधन देश में माता-पिता से विरासत में मिली सम्पत्ति में से आधा हिस्सा हजम करने का मंसूबा पाले हुए हैं। लेकिन देश के प्रत्येक नागरिक की एक-एक पाई की हिफाजत की गारंटी पीएम मोदी की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सैफई खानदान के लोग आए दिन मुझे गाली देते हैं क्योकि मैं गरीब परिवार में पैदा हुआ हूं। मुझे विरासत में राजनीति नहीं मिली है। अखिलेश यादव ने विधानसभा में मेरे पिता के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था। मेरे पास मेरे परिवार और संघ के संस्कार हैं। इसलिए मैं गाली का जवाब गाली से नहीं दे सकता। मेरे पास जो कुछ भी है, वह संघर्ष से अर्जित किया है। उन्होंने जनता का आह्वान किया कि आप सैफई कुनबे की गालियों का जवाब कमल का बटन दबाकर दीजिए और अबकी बार 400 पार के मोदी के लक्ष्य को पूरा कीजिए।

अभिनेत्री कंगना रनौत ने जैसलमेर में निकाला रोड शो, कमल के निशान का काटा केक

जैसलमेर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की स्टार प्रचारक अभिनेत्री कंगना रनोट ने बुधवार को जैसलमेर अ बाड़मेर में रोड शो किया। भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी के समर्थन में कंगना ने पहले जैसलमेर में 40 मिनट का रोड शो किया। रोड शो दोपहर सवा बजे हनुमान चौराहे से शुरू हुआ। करीब दो बजे गढ़ीसर चौराहे पर पूरा हुआ। इस दौरान कंगना ने कमल के निशान का केक काटा। इसके बाद कंगना प्रचार का आखिरी दिन होने के कारण समय बचाने के लिए चार्टर प्लेन छोड़ कार से बाड़मेर पहुंचीं। यहां उन्होंने दोपहर पौने चार बजे विवेकानंद सर्किल से रोड शो शुरू किया। करीब डेढ़ किलोमीटर का यह रोड शो रेलवे स्टेशन, स्टेशन रोड होते हुए गांधी चौक पहुंचकर खत्म हुआ। रोड शो के दौरान कंगना पर फूल बरसाए गए तो उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकारा। प्रचार

रथ में कैलाश चौधरी भी कंगना के साथ रहे। लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला है। बाड़मेर से भाजपा के कैलाश चौधरी के सामने कांग्रेस के उम्मेदाराम और निर्दलीय रविंद्र सिंह भाटी मैदान में हैं। बता दें कि कंगना खुद हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट बीजेपी कैंडिडेट भी हैं।

सियासी दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम का प्रथम रैडमाइजेशन

वाराणसी (हिंस)। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी एस राजलिंगम की अध्यक्षता में बुधवार को कमिश्नरी सभागार में ईवीएम का आठों विधानसभा के लिए प्रथम रैंडमाइजेंशन किया गया। इस दौरान सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एफएलसी के पश्चात ईवीएम मैनेजमेंट साफ्टवेयर के माध्यम से रैडाइजेशन किया गया। विधानसभावार ईवीएम मशीनें आवंटित कर दिया गया। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे बीएलए की नियुक्तियां कर लें।

भगवान श्री राम सामाजिक समरसता के प्रतीक : गजेंद्र

बाराबंकी (हिंस)। एक साथ एक दिशा में चलें राम जी के जीवन के गुणों को उतारकर नेक व समरस समाज का निर्माण करें उक्त बातें मंगलवार देर रात विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के द्वारा नगर पालिका प्रांगण में आयोजित रामोत्सव कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र ने कही। साथ ही कहा कि राम हमारे आदर्श हैं। न कोई छोटा है न कोई बड़ा है। सबको गले लगाना है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने वनवासियों को संगठित कर पुरुषार्थ का जागरण किया और शस्त्र विद्या सीखकर आसुरी निशाचर शक्तियों का समूल नाश किया। भगवान राम द्वारा स्थापित मूल्यों को आत्मसात करना ही रामोत्सव का मूल है। यह हिंदू समाज के स्वाभिमान, संघर्ष और गौरव का विषय है कि राम लला अपने नूतन भव्य गर्भगृह में विराजमान हो चुके हैं। हम सब सौभाग्यशाली पीढ़ी के लोग हैं जो अपनी आंखों से राष्ट्र मंदिर अर्थात राम मंदिर का निर्माण देख रहे हैं। भगवान श्री राम सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। निषाद राज को गले लगाया। भीलनी के झूठे बेर खाए। वानर भालू आदि को संगठित किया। गिद्धराज जटायु को गले लगाया। प्रभु श्री राम ने केवट, सबरी अहिल्या को गले लगाया। विधि प्रकोष्ठ के क्षेत्र संयोजक बृजेंद्र सिंह ने कहा कि पूज्य साधु संतों के मार्गदर्शन व जागृत हिंदू समाज के लगभग 500 वर्षों के लंबे संघर्ष, चार लाख से अधिक बलिदानों एवं 76 लड़ाइयों के बाद 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का संपूर्ण विश्व साक्षी बना। इस अद्भुत क्षण के लिए पूर्वजों ने लाखों बलिदान दिए। महाआरती के साथ संगीतमय रामोत्सव कार्यक्रम देर रात संपन्न हुआ।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION

Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
Apply Online: https://apscrecruitment.in
Technical Support email: cceapsc@gmail.com Phone : 1800-572-23-43
*****

ADVT. NO. 09/2024

No. 21PSC/DR-22/1/2023-2024

Assam Public Service Commission invites application from Indian Citizens as defined in Articles 5 to 8 of the Constitution of India for the under-mentioned posts under Assam Government in the scale of pay as indicated below and carrying usual allowances as admissible under Rules of the Govt. of Assam.

(1) **Name of thePost** :- **Research Assistant under Finance (Economic Affairs) Department.**
(2) **No of posts** :- 71 (Seventy - one) Nos.
(3) **Reservation of posts** :-

Name of the Service / Post	Open Category		Reserved for OBC/ MOBC		Reserved for TT & Adivasi		Reserved for SC		Reserved for STP		Reserved for STH		Grand Total		Post reserved for PwBD & Type of Disability	Ex-Service Man
	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW		
Research Assistant under Finance (Economics Affairs) Deparment	2	0	1	0	0	0	1	0	1	0	0	0	5	0	0	0

** PwBD - Persons with Benchmark Disabilities; RFW - Reserved for Women.*
**Reservation as per draft advertisement received from Government against total numbers of posts in the cadre.*

NB : The Ex-Servicemen must upload Ex-Servicemen Identity Card issued by Zila Sainik Welfare Office of the state of Assam and Discharge Book while applying for the reserved post.

4. Scale of Pay : - Pay scale + Grade Pay + Other allowances as admissible to the Assam State Government employees from time to time (per month).

Pay Scale	Grade Pay	Pay Band
Rs. 30,000/- to 1,10,000/-	Rs. 12,700/-	Pay Band - 4

BEFORE FILLING UP THE APPLICATION FORM, CANDIDATES MUST NOTE THAT THE REQUIRED CERTIFICATES RELATING TO AGE, CASTE AND MINIMUM EDUCATIONAL QUALIFICATION WILL BE FETCHED FROM THE OTR PROFILE. CANDIDATES ARE TO UPDATE THE OTR PROFILE IF ANY ADDITIONAL DOCUMENTS ARE TO BE UPLOADED IN SUPPORT OF THE ADVERTISED POST.

5. Eligibility Criteria :-
The candidate must be an Indian Citizen as defined in Article 5 to 8 of the Constitution of India and must be a permanent resident of Assam.
As a domicile proof of the candidate, he/she must upload a copy of the valid Permanent Resident Certificate issued in Assam for educational purpose/Employment Exchange Registration Certificate will be treated as proof of residency.
(Upload necessary documents)

6. Education Qualification :-
Degree in Science, Commerce or Arts with Statistics, Mathematics or Economics as one of the subject of Sudy in Degree course from a recognized University. The Minimum six months Diploma in Computer Application is desirable.
(Upload relevant all semester/year mark sheet reflecting the subjects and the final pass certificate)

7. Age:
The candidates should not be less than 21 years of age and not more than **38** years of age as on **01/01/2024.** The upper age limit is relaxable :
(i) By 5 years for SC/ST candidates, i.e. upto 43 years.
(ii) By 3 years for OBC/MOBC candidates i.e. upto 41 years as per Govt. Notification No. ABP. 6/2016/9 dated Dispur the 25th April 2018.
(iii) Persons with benchmark disability (PWBD) 10 years irrespective of SC/ST/OBC and UR Category of candidates as per Govt. Memorandum No. ABP 180/2017/105 dated Dispur the 7th January, 2019.
The age limit of the candidates will be calculated on the basis of the **Class-X/Class-XII Examination Admit Card/Pass Certificate/Marksheet** issued by a recognized Central/State Board/ Council **where Age/Date of Birth (DOB) is clearly reflected.**
No other document shall be accepted in lieu of the above mentioned documents for age proof.

8. For PWBD Category Candidate:
To be eligible for consideration under PwBD category, a candidate must possess Benchmark Disability and must produce necessary certificate issued by the competent authority.
(Upload relevant documents)

9. For Government Employees of the state of Assam:
Candidates, already in regular Government service, whether in permanent or temporary capacity other than casual/ad-hoc/daily wages/hourly paid/contract basis, in order to prove their employment, must upload a certificate against the applied post, issued by the competent authority under which he/she is working.
However, candidates, seeking pay protection, continuation in service etc., must upload **'NO OBJECTION CERTIFICATE (NOC)'** against the applied post, issued by the competent authority under which he/she is working.
(Upload relevant documents)

10. The Small Family Norms :-
As per Govt.notification No. ABP.69/2019/17, dated Dispur, the 6th November/2019, candidate have to submit a declaration regarding "The Small Family Norms" in Form - A at the time of applying for the post.
(Upload necessary documents)

The advertisement has been issued as **per draft advertisement furnished by the Government.**
➢ **(i) STARTING DATE FOR ONLINE APPLICATION : - 29-04-2024**
(ii) CLOSING DATE FOR ONLINE APPLICATION :- 29-05-2024
(iii) LAST DATE FOR PAYMENT OF APPLICATION FEE : - 31.05.2024

NB: For detail advertisement please visit APSC's official website www.apsc.nic.in (Recruitment Advertisement link) .

Sd/-
Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 369 / 24/ 25-Apr-24

न्यूज ब्रीफ

जल्द लॉन्च होने वाली है महिंद्रा की एक्सयूवी ३एक्सओ

नई दिल्ली।

महिंद्रा जल्द ही भारतीय बाजार में नई एक्सयूवी३०० फेसलिफ्ट के अपग्रेड यानी एक्सयूवी ३एक्सओ को लॉन्च करने जा रहा है। फिलहाल नई कार के ग्लोबल डेब्यू को कुछ दिन रह गए हैं और इससे पहले ही एक नया टीजर कंपनी ने जारी किया है। नए टीजर में फ्यूल एफिशिएंसी फीगर और स्प्रिंट टाइम का खुलासा किया गया है। लेटेस्ट टीजर के मुताबिक एक्सयूवी ३एक्सओ 4.5 सेकेंड्स में ही 0-60kph की स्पीड तक जा सकेगी। इसके अलावा टीजर में कंफर्म किया गया है कि इस अपडेटेड कॉम्पैक्ट एसयूवी में मल्टीपल ड्राइव मोड्स मिलेंगे। टीजर से पता चलता है कि इसमें जिप और जैप वाले ड्राइव मोड्स मिलेंगे। महिंद्रा ने ये भी खुलासा किया है कि एक्सयूवी ३एक्सओ में 20.1kpl का माइलेज मिलेगा। हालांकि, ये आंकड़ा डीजल इंजन के लिए होने की उम्मीद है। न कि टर्बो-पेट्रोल इंजन की। तुलनात्मक तौर पर बात करें तो टाटा नेक्सॉन डीजल की फ्यूल एफिशिएंसी 24.07kpl तक Sonet डीजल की 22,3kpl तक है। एक्सयूवी ३एक्सओ पुराने मॉडल की तरह तीन इंजन ऑप्शन्स- 110hp, 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल, 131hp, 1.2-लीटर डायरेक्ट-इंजेक्शन टर्बो-पेट्रोल और 117hp, 1.5-लीटर डीजल के साथ आएगी। 131hp टर्बो-पेट्रोल इंजन को एक नया आइसिन-सोर्स्ड 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन मिलेगा। नए एक्सयूवी ३एक्सओ के टीजर से ये भी पता चलता है कि इसमें फुली-डिजिटल टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। ड्राइवर डिस्प्ले 10.25-इंच का होगा। जबकि कार में एक्सयूवी ४०० का 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी होगा। इसके अलावा ऑफर में एक फर्स्ट-इन-क्लास पैनोरमिक सनरूफ भी होगा, जो संभवतः इस सुविधा के साथ इसे भारत में सबसे किफायती एसयूवी बना देगा।

सोने-चांदी के भाव में फिर उछाल

नई दिल्ली।

एक छोटी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने 8 महीने में ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। 8 महीने में बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर बुधवार 24 अप्रैल को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने बुधवार को 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 142.50 रुपये है। बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ 75 रुपये के दाम पर आया था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 18 अगस्त 2023 को खुला था और यह 22 अगस्त तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 30 अगस्त 2023 को 142.50 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग के बाद से बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर लगातार नए हाई बना रहे हैं। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। 75 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले 6 महीने में 405 पर्सेंट का जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2023 को 242.90 रुपये पर थे। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 24 अप्रैल 2024 को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, इस साल अभी तक बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में 194 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर साल की शुरूआत में 1 जनवरी 2024 को 417.10 रुपये पर थे, जो कि अब 1200 रुपये के पार पहुंच गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के आईपीओ पर टोटल 112.28 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 100.05 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, अदर्स कैटेगरी में 115.46 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

बड़ी नहीं... बहुत बड़ी है बजाज की नई पल्सर बाइक, 3 मई को होगी लॉन्चिंग

नई दिल्ली।

बजाज पल्सर एनएस400 नई फ्लैगशिप मोटरसाइकिल होगी, जिसमें कंपनी की किसी भी मोटरसाइकिल पर सबसे बड़ी क्षमता वाला इंजन होगा और यह अब तक का सबसे फास्ट इंजन भी होगा। देश की दिग्गज दोपहिया वाहन निमार्ता कंपनी बजाज ऑटो अपने पल्सर प्रोफाइल में एक नई बाइक जोड़ने जा रही है। पल्सर प्रोफाइल वाली यह बाइक बड़ी ही नहीं, बहुत बड़ी है। साइज, वजन और कीमत तीनों मामले में यह दूसरी मोटरसाइकिलों से काफी बड़ी है। कंपनी इसे 3 मई 2024 को भारतीय बाइक बाजार में लॉन्च करेगी, लेकिन इसकी लॉन्चिंग से पहले उसने इसका टीजर जारी किया है। यह इसका पहला टीजर है। कंपनी ने इसका नाम बजाज पल्सर एनएस400 दिया है।

बजाज पल्सर एनएस400 का इंजन होगा सबसे फास्ट

बजाज ऑटो ने सोशल मीडिया पर अब तक की सबसे बड़ी पल्सर का पहला टीजर जारी किया है। आने वाली बजाज पल्सर एनएस400 नई फ्लैगशिप मोटरसाइकिल होगी, जिसमें कंपनी की किसी भी मोटरसाइकिल पर सबसे बड़ी क्षमता वाला इंजन होगा और यह अब तक का सबसे फास्ट इंजन भी होगा। कंपनी की ओर से जारी किए गए वीडियो टीजर में नई बजाज पल्सर एनएस400 के टायर हगर की झलक मिलती है। इसके साथ ही, बाइक की तेज स्पीड का भी संकेत मिलता है। नई पेशकश में केटीएम के साथ सह-विकसित नव-विकसित 399 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलने की उम्मीद है, जो केटीएम 390 ड्यूक को पावर देता है। हालांकि, यह एक री-ट्यून इंजन हो सकता है, जो चलने की लागत कम रखने के लिए केटीएम के मुकाबले थोड़ा कम पावर और टॉर्क जेनरेट करेगा। इस इंजन के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़े जाने पर 40 बीएचपी की पावर और 35-37 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करने की उम्मीद है।

बजाज पल्सर एनएस400 के फीचर्स

अब अगर बजाज पल्सर एनएस400 के फीचर्स की बात करें, तो इसमें असिस्ट-एंड-स्लिपर क्लच, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, ऑल-एलईडी लाइटिंग, यूएसडी फ्रंट फोर्क्स, डिस्क ब्रेक, डुअल-चैनल एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल भी देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा, इसमें ट्रैक्शन कंट्रोल के साथ राइड-बाय-वायर, 17-इंच के अलॉय व्हील्स भी मिल सकते हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ कार्रवाई, ऑनलाइन तरीके से नए ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक

नई दिल्ली।

बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आरबीआई ने बैंक के ऑनलाइन या मोबाइल बैंकिंग चैनल के जरिए नए ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी है। हालांकि, नियामक ने अपने निर्देश में कहा है कि वह अपने मौजूदा ग्राहकों जिसमें क्रेडिट कार्ड के ग्राहक भी शामिल हैं, को सेवाएं देना जारी रख सकता है।

आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक पर कार्रवाई का क्या कारण बताया?

रिजर्व बैंक के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक के आईटी जोखिम प्रबंधन और सूचना सुरक्षा प्रशासन में खामियां मिलने के बाद ने यह कार्रवाई की गई है। आरबीआई ने अपने बयान में कहा है कि ये कार्रवाइयां वर्ष 2022 और 2023 के दौरान नियामक की ओर से बैंक के आईटी परीक्षण में पाई खामियों के आधार पर की गई हैं। नियामक ने कहा कि बैंक परीक्षण के बाद उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं व्यापक और समयबद्ध तरीके से दूर करने में विफल रहा है।

कोटक महिंद्रा बैंक की जांच में आरबीआई को क्या गड़बड़ियां मिली?

आरबीआई के बयान में कहा गया है कि बैंक के आईटी इन्वेंट्री प्रबंधन, पैच एंड चेंज मैनेजमेंट, यूजर एक्सेस मैनेजमेंट, वेंडर रिस्क मैनेजमेंट, डेटा सुरक्षा व डेटा लीक रोकने की रणनीति में कमी दिखी है। केंद्रीय बैंक के अनुसार बैंक की बिजनेस निरंतरता और डिजास्टर रिकवरी के लिए सख्ती व ड्रिल जैसे क्षेत्रों में भी गंभीर खामियां और अनुपालन में कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने बयान में कहा, ''लगातार दो वर्षों तक बैंक के आईटी जोखिम और सूचना सुरक्षा प्रशासन में कमी का आकलन किया गया। इसके बाद निष्कर्ष निकाला गया कि यह नियामकीय दिशानिर्देशों के तहत जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है।''

मौजूदा ग्राहकों पर आरबीआई की कार्रवाई का क्या असर पड़ेगा?

देश में बड़ी संख्या में लोग कोटक महिंद्रा बैंक की सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि रिजर्व बैंक की हालिया कार्रवाई से उनपर क्या असर पड़ेगा?

आरबीआई के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक को अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने व नए क्रेडिट कार्ड जारी करने की सेवाओं को तत्काल प्रभाव से ''बंद करने'' का निर्देश दिया गया है। हालांकि, बयान में केंद्रीय बैंक की ओर से कहा गया है कि बैंक अपने क्रेडिट कार्ड उपयोगकताओं सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को पहले की तरह सेवाएं प्रदान करना जारी रख सकेगा।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर: मार्च तिमाही में 6% घटा नेट प्रॉफिट, शेयरधारकों को डिविडेंड का तोहफा

मुंबई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। यह स्टॉक बीएसइ पर 2259.15 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। कंपनी ने मार्केट क्लोज होने के बाद तिमाही नतीजे जारी किए हैं। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (हिंदुस्तान यूनिलीवर) ने एफवाई २४ की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 6 फीसदी घटकर 2,406 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,552 करोड़ रुपये था। हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। यह स्टॉक बीएसइ पर 2259.15 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। कंपनी ने मार्केट क्लोज होने के बाद तिमाही नतीजे जारी किए हैं।

कैसे रहे हिंदुस्तान यूनिलीवर के नतीजे

चौथी तिमाही में हिंदुस्तान यूनिलीवर की बिक्री मामूली रूप से बढ़कर 14,693 करोड़ रुपये हो गई। प्रमुख सेगमेंट ब्यूटी और पर्सनल केयर के रेवेन्यू में 2.7 फीसदी की गिरावट आई है। 9 ब्रोकरेज फर्मों के औसत अनुमानों के अनुसार, एनालिस्ट्स ने 14,913 करोड़ रुपये के रेवेन्यू पर 2,435 करोड़ रुपये के मुनाफे का अनुमान लगाया है। इसका मतलब है कि मार्च तिमाही में कंपनी के नतीजे अनुमान से कमजोर रहे।

हर शेयर पर 24 रुपये का डिविडेंड देगी हिंदुस्तान यूनिलीवर

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 1 रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों पर 24 रुपये प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की घोषणा की। कंपनी ने पहले 16 नवंबर 2023 को 18 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड का भुगतान किया था। इसका मतलब है कि वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने कुल डिविडेंड 42 रुपये प्रति शेयर है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के सीइओ का बयान

हिंदुस्तान यूनिलीवर के सीइओ और एमडी रोहित जावा ने कहा, ''एफवाई २४ में हमने 3% यूएसजी के साथ एक लचीला प्रदर्शन दिया और 10,000 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट का आंकड़ा पार कर लिया। हम ऑपरेशनल एक्सीलेंस बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं और ब्रांडों और लॉन्ग टर्म कैपिबिलिटी में निवेश को बढ़ाते हुए अपने सकल मार्जिन का निर्माण जारी रखा है। भविष्य को देखते हुए मैं सामान्य मानसून और बेहतर मैक्रो-इकोनॉमिक इंडिकेटर के कारण कंज्यूरम डिमांड में धीरे-धीरे सुधार होने को लेकर आशावादी हूं।''

सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान में बंद, मेटल शेयर चमके, हिंडाल्को में तेजी, टाटा कंज्यूमर गिरा

नई दिल्ली।

बुधवार को शेयर बाजार के कामकाज की समाप्ति अच्छी तेजी पर हुई है। बीएसई सेंसेक्स 115 अंक की तेजी पर 73853 के लेवल पर बंद हुआ है जबकि निफ्टी 45 अंक मजबूत होकर 22413 अंक के लेवल पर बंद होने में सफल रहा है। शेयर बाजार दिन के कामकाज में तेजी बनी रही है। निफ़्टी आईटी पैक में 0.69 फीसदी की कमजोरी दर्ज की गई जबकि निफ़्टी एफएमसजी इंडेक्स मामूली तेजी पर बंद हुआ है। निफ़्टी ऑटो इंडेक्स में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई। निफ़्टी स्मॉल कैप 50 और निफ़्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स भी कमजोरी पर बंद हुए हैं जबकि निफ्टी मीडिया इंडेक्स में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई है।

निफ्टी ऑटो-निफ्टी आईटी में कमजोरी

बुधवार को दिनभर शेयर बाजार हरे निशान में कामकाज करता रहा। शेयर बाजार एक कामकाज में निफ़्टी आईटी इंडेक्स में मामूली कमजोरी दर्ज की गई और निफ़्टी ऑटो इंडेक्स भी मामूली गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी मिडकैप 100, बीएसई स्मॉल कैप, निफ़्टी बैंक, निफ़्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स में तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार के टॉप गैनर्स की बात करें तो हिंडालको, जेएसडब्ल्यू स्टील, सिप्ला, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, कोटक बैंक और एनटीपीसी के शेयरों में अच्छी तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार के टॉप लूजर्स में टाटा कंज्यूमर, बजाज ऑटो, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लाइफ, टीसीएस, टेक महिंद्रा और अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर शामिल थे। शेयर बाजार के कामकाज में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनियों की बात करें तो गौतम अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से तीन के शेयर तेजी पर रहे जबकि सात कंपनियों के शेयर में नुकसान दर्ज किया गया। अडानी पावर एक फीसदी गिरकर बंद हुआ जबकि एसीसी लिमिटेड 4.5 फीसदी की तेजी पर बंद हुआ है।

मल्टीबैगर शेयर का हाल

गेल इंडिया, कजरिया सेरेमिक्स, साउथ इंडियन बैंक, एबीबी इंडिया लिमिटेड, बंधन बैंक, एलआईसी, इंडियन ऑयल, सवोर्टेक पावर, पंजाब नेशनल बैंक, डीपी वायर्स, वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में तेजी दर्ज की गई जबकि गेल, इरेडा, स्पाइसजेट और हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज घरेलू कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज मार्केट में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। अभी इसमें एलजी, सैमसंग, वर्लपूल, हायर और डाइकिन जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों का दबदबा है। एसी कैटगरी में टाटा की कंपनी वोल्टास का वर्चस्व है।

टाटा, सैमसंग और एलजी को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में मुकेश अंबानी

नई दिल्ली।

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी टेलिकॉम और रिटेल के बाद एक और सेक्टर में तहलका मचाने की तैयारी में है। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एक नए मेड-इन-इंडिया ब्रांड वायजर के साथ घरेलू कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज मार्केट में मल्टीनेशनल कंपनियों के दबदबे को खत्म करना चाहती है। अभी देश में टीवी, होम अप्लायंसेज और स्मॉल अप्लायंसेज का मार्केट 1.1 लाख करोड़ रुपये का है। इसमें एलजी, सैमसंग, वर्लपूल, हायर और डाइकिन की 60% है। इसी तरह एसी मार्केट में टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास का दबदबा है।

सूत्रों के मुताबिक रिलायंस की दो घरेलू कॉन्ट्रैक्ट मैन्यूफेक्चर कंपनियों डिक्सन टेक्नोलॉजीज और मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ बातचीत चल रही है। मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनी ओनिडा की पैरेंट कंपनी है। ब्रांड की बाजार में हिस्सेदारी बढ़ने के बाद कंपनी मीडियम टर्म में अपना प्लांट स्थापित कर सकती है।

रिलायंस की रिटेल यूनिट रिलायंस रिटेल ने हाल ही में वायजर ब्रांड से एयर कूलर लॉन्च किया है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी टेलीविजन, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, स्मॉल अप्लायंसेज और एलईडी बल्ब जैसी श्रेणियों में रेंज का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी इन प्रॉडक्ट्स को इन-हाउस डिजाइन और डेवलप करना चाहती है क्योंकि वह विदेशी लेबल के दबदबे वाले इस बाजार में एक घरेलू ब्रांड स्थापित करना चाहती है। कंपनी ने पहले प्राइवेट लेबल ब्रांड रीकनेक्ट लॉन्च किया था, जिसमें थर्ड पार्टी द्वारा बनाए गए प्रॉडक्ट थे। रिलायंस रिटेल के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर दिनेश तलुजा ने 22 अप्रैल को आरआईएल की चौथी तिमाही की अर्निंग कॉल के दौरान एनालिस्ट्स को नए ब्रांड लॉन्च के बारे में बताया था। लेकिन इस बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया था।

क्या है योजना

सूत्रों का कहना है कि कंपनी अपने रिलायंस डिजिटल स्टोर्स के साथ-साथ इंडिपेंडेंट डीलरों, रीजनल रिटेल चेन और ऐमजॉन तथा फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए वायजर के प्रॉडक्ट बेचना चाहती है। इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्ट के बी२बी डिस्ट्रीब्यूशन में लगी जियोमार्ट डिजिटल (जेएमडी) वायजर के प्रॉडक्ट्स को दूसरे स्टोर्स तक ले जाएगी। एक सूत्र ने कहा, 'रिलायंस ने पहले ही जियोफोन के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के वर्चस्व वाले फीचर फोन बाजार में खलबली मचा दी थी। कंपनी मेक-इन-इंडिया की लहर पर सवार होकर इलेक्ट्रॉनिक्स में भी इसी सफलता को दोहराना चाहती है।' साल 2022 में, रिलायंस ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में विस्तार करने के लिए 1,670 करोड़ रुपये में अमेरिका की कंपनी सनमिआ की भारतीय इकाई में 50.1% हिस्सेदारी खरीदी थी। सनमिआ का चेन्नई में 100 एकड़ का परिसर है, जहां वह वायजर उत्पादों के लिए एक प्लांट स्थापित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। कंपनी की प्राथमिकता अभी उत्पादों को लॉन्च करना है।

पहले भी कोशिश कर चुकी है कंपनी

रिलायंस रिटेल ने इस बारे सवालों का जवाब नहीं दिया। मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के एमडी विजय मनसुखानी ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि डिक्सन को भेजी गई ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। रिलायंस रिटेल ने इससे पहले अपने ब्रांड रीकनेक्ट के तहत टेलीविजन और कुछ उपकरण बेचने की कोशिश की थी, लेकिन इसमें उसे सीमित सफलता मिली। इन्हें कंपनी के पार्टनर्स ने डिजाइन और डेवलप किया गया था। इन्हें बिना किसी मार्केटिंग पुश के केवल रिलायंस डिजिटल स्टोर्स के जरिए बेचा गया था और इसका मकसद फ्यूचर ग्रुप के प्राइवेट लेबल कोर्यो और टाटा ग्रुप के क्रोमा को टक्कर देना था। रिलायंस रिटेल अभी भी एक्सेसरीज के लिए रीकनेक्ट ब्रांड का इस्तेमाल करता है। इसने कुछ साल पहले बीपीएल और केल्विनेटर ब्रांड के लिए लाइसेंस हासिल किया और कुछ टीवी, रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन मॉडल लॉन्च किए थे।

माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी।

टेस्ला प्लांट के लिए भारत को अभी करना होगा इंतजार, कंपनी सस्ती इलेक्ट्रिक कार बाहर से बनाकर देश में बेचेगी

नई दिल्ली

सरकार की नई ईवी पॉलिसी के बाद टेस्ला के लिए भारतीय बाजार की राह आसान हो गई है। माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी। इस बीच, कंपनी भारत में अपना प्लांट लगाने पर भी काम कर रही है। अब टेस्ला ने कहा है कि वो इस साल के आखिर में नए और अफॉर्डेबल ई-व्हीकल बनाने के लिए अपने मौजूदा प्लांट का इस्तेमाल करेगी। ऐसे में कंपनी फ्यूचर में मैक्सिको और भारत में नए प्लाटं पर जो निवेश करने वाली है उसकी संभावना कम हो गई है।

टारगेट पूरा नहीं, फिर भी शेयर में तेजी

कंपनी ने बताया कि वो नई मैन्युफैक्चरिंग लाइन में निवेश करने से पहले 2023 से लगभग 3 मिलियन व्हीकल की अपनी मौजूदा प्रोजक्शन कैपेसिटी को 50% तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि इसके चलते पहले की तुलना में लागत में कमी आ सकती है। प्लांट में निवेश करने वाले निवेशकों ने भी नई फैक्ट्रियों में नए मॉडल बनाने का जोखिम ना लेने के फैसले पर खुशी जताई। इस तिमाही नतीजों में कंपनी का फाइनेंशियल टारगेट पूरा नहीं हुआ। इसके बाद भी टेस्ला के शेयर 12% तक ऊपर चले गए थे।

मॉडल 2 लॉन्च करने की योजना रद्द

इवॉल्व ईटीएफ के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर इलियट जॉनसन ने कहा, ''मुझे लगता है कि बाजार में नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने मौजूदा प्लांट में सस्ते प्रोडक्ट को तैयार करना पॉजिटिव कदम है। हालांकि, कंपनी अपनी योजना के साथ आगे नहीं बढ़ रही है। रॉयटर्स ने 5 अप्रैल की एक रिपोर्ट में कहा था कि टेस्ला ने अपने सस्ती इलेक्ट्रिक कार मॉडल 2 को लॉन्च करने की योजना को रद्द कर दी है। जिसे टेस्ला ने टेक्सास, मैक्सिको और एक तीसरे देश में बनाने की योजना बनाई थी। उम्मीद की गई थी कि मॉडल 2 की कीमत 25,000 डॉलर होगी। हालांकि, रॉयटर्स की रिपोर्ट पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि 'रॉयटर्स झूठ बोल रहा है'।

पुराने प्लांट से ही नए व्हीकल तैयार होंगे

जनवरी में मस्क ने कहा था कि टेस्ला का लक्ष्य 2025 की दूसरी छमाही में नया सस्ता मॉडल पेश करने पर है। इस मॉडल में 'रिवॉल्यूशनरी मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी' का इस्तेमाल किया जाएगा जो टेस्ला के लिए नई राह तैयार करेगी। अब टेस्ला के इंजीनियरिंग हेड लार्स मोरावी ने मंगलवार को कहा कि नई मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और प्रोडक्शन लाइनें कुछ रिस्क के साथ आती हैं। ऐसे में कंपनी ने कम लागत वाले व्हीकल को बेहतर बनाने के लिए अपने प्लांट की 'मेजर शिफ्ट' में बदलाव किया है।

भारत की योजना पर फिलहाल चुप्पी

उम्मीद इस बात की थी कि मस्क सोमवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। वे एक छोटे और अफॉर्डेबल मॉडल के प्रोडक्शन के लिए एक ऑटो फैक्ट्री में बड़े निवेश की घोषणा करेंगे। मस्क ने पिछले साल कहा था कि टेस्ला मैक्सिको में अपना प्लांट बनाएगी, लेकिन प्लांट कब तक तैयार होगा इस बात का फैसला अर्थव्यवस्था और ब्याज दरों पर निर्भर करेगा। टेस्ला ने मेक्सिको और भारत में अपनी योजनाओं पर अभी कोई जवाब नहीं दिया।

6,000 कर्मचारियों की होगी छंटनी

टेस्ला ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। जनवरी से मार्च की इस तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 55% तक घट गया। दूसरी तरफ कंपनी ने बड़ी छंटनी का ऐलान कर दिया। कंपनी कॉस्ट कटिंग के चलते 6,000 लोगों को नौकरी से निकालने जा रही है। टेस्ला ने कहा कि वो टेक्सास और कैलिफोर्निया में 6,020 कर्मचारियों की छंटनी करेगी।

टोरंटो में भारतीय भूचाल, फिडे कैंडिडेट्स में गुकेश की जीत विश्व शतरंज में बड़ा बदलाव: गैरी कास्परोव

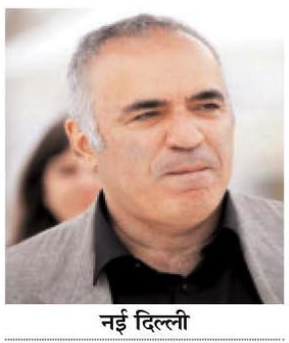

नई दिल्ली

रूस के महान शतरंज खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने विश्व चैंपियनशिप के लिए चुनौती पेश करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बनने के लिए भारत के किशोर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश की सराहना करते हुए कहा कि 'टोरंटो में भारतीय भूचाल' आया और यह जीत विश्व शतरंज में बड़े बदलाव का संकेत है। सत्रह साल के गुकेश ने 40 साल पहले कास्परोव के बनाए रिकॉर्ड को तोड़ा। रूसी का यह खिलाड़ी जब 22 वर्ष का था तब उन्होंने 1984 में विश्व खिताब के लिए हमवतन अनातोली कारपोव से भिड़ने के लिए क्वॉलिफाई किया था और वह उस समय के सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। कास्परोव ने अतीत में रूस के दबदबे का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'बधाई हो! टोरंटो में भारतीय भूचाल शतरंज की दुनिया में बदलाव का संकेत है क्योंकि 17 वर्षीय डी गुकेश सर्वोच्च खिताब के लिए चीन के चैंपियन डिंग लिरेन का सामना करेंगे।' यह जीत गुकेश को साल की आखिरी तिमाही में मौजूदा विश्व चैंपियन लिरेन के खिलाफ मुकाबले का हकदार बनाती है। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने

भारत में शतरंज संस्कृति को जन्म दिया और देश इस ग्रैंडमास्टर की सफलता का लाभ उठा रहा है जिसमें हजारों युवा शतरंज को अपना रहे हैं। कास्परोव ने भारतीय शतरंज में आनंद के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा, 'विशी आनंद के 'बच्चे' छाए हुए हैं।' कास्परोव यहां गुकेश की सफलता के बाद ग्रैंड चेस टूर के बधाई ट्वीट का जवाब दे रहे थे। ग्रैंड चेस टूर ने 'एक्स' पर लिखा, 'डी गुकेश को फिडे कैंडिडेट्स में उनकी जीत के लिए बधाई,उन्होंने विश्व चैंपियनशिप मैच में चैलेंजर के रूप में अपनी जगह पक्की की है। हम उत्सुकता से हमारे ग्रैंड शतरंज टूर कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी का इंतजार कर रहे हैं।' एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कास्परोव ने शतरंज के शक्ति केंद्र में बदलाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'अमेरिका और इंग्लैंड के कई शीर्ष जूनियर खिलाड़ियों के नाम देखें, यह देखने के लिए कि चीन और भारत के प्रवासी शतरंज में उपलब्धि हासिल करने के लिए उतने ही जुनूनी हैं।' वर्ष 1985 से 1993 तक निर्विवाद विश्व चैंपियन रहे कास्परोव ने लिखा, 'कास्परोव शतरंज फाउंडेशन ने इस लहर को बढ़ते देखा है और गुकेश की सफलता इसे और ऊपर उठाएगी।' अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के साथ विवाद के बाद कास्परोव ने एक प्रतिद्वंद्वी संगठन पेशेवर शतरंज संघ की स्थापना की थी। वह 1984 से 2005 में नियमित प्रतिस्पर्धी शतरंज से संन्यास लेने तक कुल मिलाकर रिकॉर्ड 255 महीनों के लिए विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे।

मनिका को पछाड़कर भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी श्रीजा

नयी दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित युगल चैंपियन श्रीजा अकुला मंगलवार को नवीनतम आईटीटीएफ रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 38वें स्थान पर पहुंची और मनिका बत्रा को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं। नवीनतम रैंकिंग में श्रीजा को एक स्थान का फायदा हुआ जबकि पिछले कुछ समय से भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका दो स्थान के नुकसान से 39वें पायदान पर खिसक गईं। इस साल 25 साल की श्रीजा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने डब्ल्यूटीटी फीडर कॉरपस क्रिस्टी और डब्ल्यूटीटी फीडर बेरूत टूर्नामेंट में क्रमशः जनवरी और मार्च में खिताब जीते। वह गोवा में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची। श्रीजा ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अनुभवी अचंता शरत कमल के साथ मिलका स्वर्ण पदक जीता था। यशस्विनी घोरपड़े और अर्चना कामत क्रमशः 99वें और 100वें स्थान पर बरकरार हैं। शरत रैंकिंग में 37वें स्थान के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। जी साथियान और मानव ठाकर ने क्रमशः 60वें और 61वें स्थान पर एक दूसरे की जगह ली है। कुछ महीने पहले शीर्ष रैंकिंग के भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत देसाई नवीनतम सूची में और नीचे 64वें स्थान पर खिसक गए हैं। भारत पहले ही पेरिस ओलंपिक की टीम स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई कर चुका है। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ 16 मई तक उस समय की विश्व रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल में दो एकल खिलाड़ियों की प्रविष्टियों पर फैसला करेगा।

केकेआर प्रबंधन ने स्टार्क का समर्थन किया

एजेंसी ■ कोलकाता

आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विफल रहे हैं। स्टार्क गेंदबाजी के दौरान विकेट के लिए संघर्ष करते हुए दिखे हैं। इसके बाद भी आईपीएल इतिहास के इससे सबसे महंगे खिलाड़ी का टीम प्रबंधन ने समर्थन किया है। केकेआर ने नीलामी में स्टार्क को 24 करोड़ रुपये में खरीदा था। केकेआर के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा कि वह इस अनुभवी खिलाड़ी को 'निवेश के नजरिये से नहीं देखते हैं। केकेआर ने आईपीएल नीलामी स्टार्क को रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये की बोली के साथ टीम में शामिल किया था जबकि इसे तभी सही फैसला नहीं माना जा रहा था क्योंकि इस तेज गेंदबाज के पास टी20 प्रारूप में काफी कम अनुभव था। वह नौ साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे। वहीं वेंकी मैसूर ने कहा, वह सुपरस्टार है और बेहतरीन खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, हम इसे निवेश के रवैये से नहीं सोचते हैं, क्योंकि आप नीलामी में जाते हैं और नीलामी में ऐसी चीजें होती हैं, जो न तो खिलाड़ी के हाथ में होती हैं और न ही किसी और के हाथ में होती हैं। उन्होंने कहा, हमें बस यही लगा कि स्टार्क जैसे खिलाड़ी को टीम में शामिल करने से काफी महत्व बढ़ेगा। मेरा मतलब है कि टीम में उसकी मौजूदगी से मजबूती मिलती है। उनके पास उस तरह की विशिष्ट कौशल है जिसकी हमारे सहयोगी स्टाफ को तलाश थी। स्टार्क ने अपने शुरुआती दो मैचों में ही 100 रन से ज्यादा दे दिये थे।

आईपीएल-2024: लखनऊ ने चेन्नई को छह विकेट से हराया

ऋतुराज गायकवाड़ के शतक पर मार्कस स्टोइनिस की 124 रन की पारी पड़ी भारी

चेन्नई

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को लगातार दूसरे मैच में हरा दिया है। अपने होम ग्राउंड इकाना में आठ विकेट से हराने के बाद अब लखनऊ ने चेपॉक में चेन्नई को छह विकेट से शिकस्त दी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने चार विकेट पर 210 रन बनाए थे। सीएसके के लिए ऋतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 108 रन की पारी खेली थी। जवाब में लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मार्कस स्टोइनिस 63 गेंद में 124 रन बनाकर नाबाद रहे। इस जीत के साथ लखनऊ की टीम अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने चेन्नई को रिप्लेस किया, जो लुढ़क कर पांचवें स्थान पर आ गई है। चेन्नई को अगला मैच 28 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है, जबकि लखनऊ की टीम 27 अप्रैल को इकाना में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी।

211 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और क्विंटन डिकॉक बिना खाता खोले ही चलते बने। इसके बाद मार्कस स्टोइनिस को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोशन मिला और वह नंबर तीन पर बल्ल्ल4ह्योबाजी करने उतरे। स्टोइनिस ने कप्तान राहुल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 33 रन जोड़े। राहुल 16 रन बनाकर चलते बने। वहीं, देवदत्त पडिक्कल भी सस्ते में पवेलियन लौटे। हालांकि, स्टोइनिस एक छोर संभालकर खड़े और उन्होंने रनगति को लगातार बरकरार रखा। पडिक्कल के आउट होने के बाद स्टोइनिस और निकोलस पूरन ने चौथे विकेट के लिए ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 70 रन जोड़े। पूरन 15 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए। जबकि स्टोइनिस ने 63 गेंदों पर 124 रन की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान स्टोइनिस ने 13 चौके और छह छक्के जमाए। इसके पहले इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 39वें मुकाबले मे ऋतुराज गायकवाड़ का बल्ला जमकर आग उगला। चेन्नई ने 103 के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे, लेकिन ऋतुराज गायकवाड़ के शतक की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 210 रन बनाए। गायकवाड़ ने 60 गेंदों में 12 चौके और 3 छक्कों की मदद से 108 रन की नाबाद पारी खेली। तो शिवम दुबे ने 27 गेंदों में 244 की स्ट्राइक रेट से 66 रन कूट दिए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 7 छक्के लगाए। धोनी को भी एक गेंद खेलने आना पड़ा, जहां उन्होंने चौका लगाकर फैंस को झूमने का मौका दिया।

मैच का स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स (20 अधिकतम ओवर): अजिंक्य रहाणे कै के एल राहुल बो हेनरी 1,ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद 108,डैरिल मिचेल कै हुड्डा बो ठाकुर 11,रवींद्र जडेजा कै के एल राहुल बो मोहसिन 16,,शिवम दुबे,रन आउट (डिकॉक/स्टॉयनिस)66,एमएस धोनी नाबाद 4,,**अतिरिक्त** : 4,**कुल:** 20 ओवर (रनरेट 10.50)210/4,**विकेट पतन:** 1-4 (अजिंक्य रहाणे, 0.6 ओवर), 2-49 (डैरिल मिचेल, 5.2 ओवर), 3-101 (रवींद्र जाडेजा, 11.5 ओवर), 4-205 (शिवम दुबे, 19.4 ओवर) **गेंदबाजी:** मैट हेनरी 4-0-28-1,मोहसिन ख़ान 4-0-50-1,रवि बिश्नोई 2-0-19-0,यश ठाकुर 4-0-47-1,मार्कस स्टॉयनिस 4-0-49-0, क्रुणाल पंड्या 2-0-15-0।

लखनऊ सुपर जायंट्स (लक्ष्य:211 रन, 20 ओवर में): क्विंटन डिकॉक बो चाहर 0,के एल राहुल कै गायकवाड़ बो मुस्तफिज़ुर 16,मार्कस स्टॉयनिस नाबाद 124 ,देवदत्त पड़िक्कल बो पथिराना 13, निकोलस पूरन कै शार्दुल बो पथिराना 34,दीपक हुड्डा नाबाद 17,**अतिरिक्त:** 9,**कुल:** 19.3 ओवर (रनरेट 10.92)213/4,**विकेट पतन:** 1-0 (क्विंटन डिकॉक, 0.3 ओवर), 2-33 (के एल राहुल, 4.4 ओवर), 3-88 (देवदत्त पड़िक्कल, 10.6 ओवर), 4-158 (निकोलस पूरन, 16.3 ओवर),**गेंदबाजी:** दीपक चाहर 2-0-11-1,तुषार देशपांडे 3-0-34-0,मुस्तफिज़ुर रहमान 3.3-0-51-1,शार्दुल ठाकुर 3-0-42 -0,मोईन अली 2-0-21-0,रवींद्र जडेजा 2-0-16-0,मथीशा पथिराना 4-0-35-2।

लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर होगा ISL फाइनल

नई दिल्ली

आईएसएल ने कहा कि चार मई को होने वाला 2023-24 सत्र का फाइनल खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली दोनों टीम में से लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा।

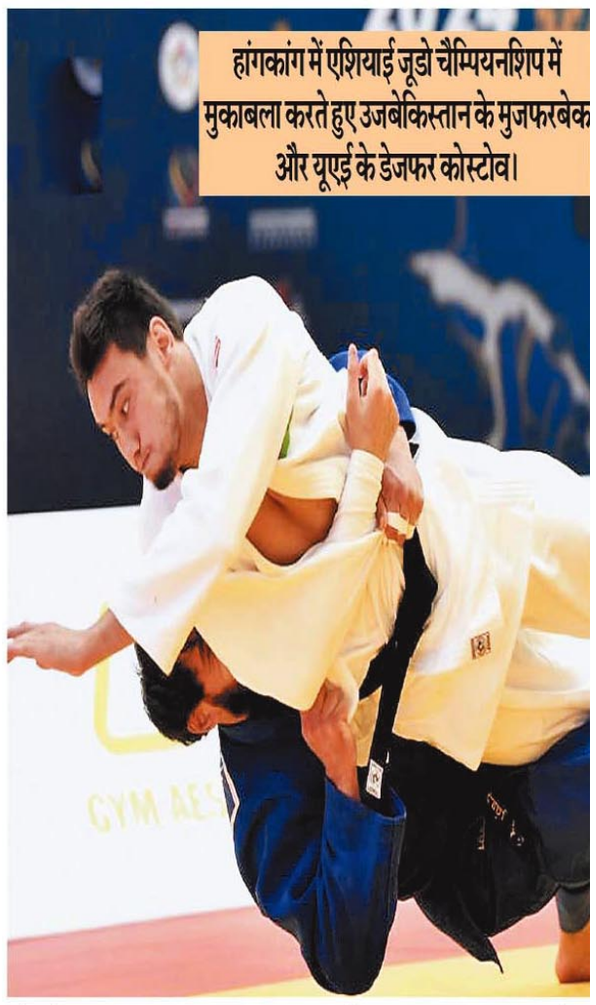

हांगकांग में एशियाई जूडो चैम्पियनशिप में मुकाबला करते हुए उजबेकिस्तान के मुजफरबेक और यूएई के डेजफर कोस्टोव।

महिला वनडे की नंबर एक बैटर बनीं चमारी अटापट्टू

दुबई

पिछले सप्ताह साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ नाबाद 195 रनों की पारी खेलने वालीं चमारी अटापट्टू आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में नंबर एक बैटर बन गई हैं। चमारी की इस पारी ने महिला क्रिकेट के कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए थे, जिसमें वनडे में सफल चेज़ के दौरान सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी शामिल था। वनडे में पुरुष और महिला दोनों ही क्रिकेट में यह सफल चेज़ के दौरान दूसरा सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी था। ग्लेन मैक्सवेल ने 2023 विश्व कप में अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ नाबाद 201 रनों की पारी खेली थी। इस प्रदर्शन के चलते चमारी ने आईसीसी की तालिका में अब तक की अपनी सबसे बड़ी रेटिंग (773) प्राप्त करते हुए पहला स्थान प्राप्त कर लिया। उनके पीछे नाट सिवर ब्रंट हैं जिनके पास 764 रेटिंग अंक हैं। लॉरा वुल्फ़ार्ट भी पांचवें स्थान से दो पायदान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे पीछे बेथ मूनी और स्मृति मांधना हैं। जबकि पाकिस्तान के ख़िलाफ़ अच्छा प्रदर्शन करने वालीं हीली मैथ्यूज़ को भी सात पायदान का फ़ायदा हुआ है और वह अब 11वें स्थान पर हैं।

इंटर मिलान ने एसी मिलान को 2-1 से हराकर जीता अपना 20वां सीरी ए खिताब

नई दिल्ली

इंटर मिलान ने डर्बी में एसी मिलान को 2-1 से हराकर अपना 20वां सीरी ए खिताब जीता है। दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान पर 14 अंकों की बढ़त और केवल छह राउंड शेष होने के साथ तो वहीं इंटर मिलान अपनी 2021 चैंपियनशिप की सफलता को दोहराने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरा। सैन सिरो में मैच में प्रवेश करते हुए इंटर ने लुटारो मार्टिनेज और मार्कस थुरम के साथ एक मजबूत लाइनअप को मैदान में उतारा। मैच की शुरुआत से ही इंटर मिलान ने अपनी पकड़ मजबूत रखी और मैच के 18वें मिनट में स्कोरिंग की शुरुआत हुई। इंटर के लिए फ्रांसेस्को एसरबी ने 18वें मिनट पर पहला गोल दागा। कुछ ही मिनटों के बाद एसी मिलान के पास बराबरी करने का मौका था, लेकिन वो चूक गए।

नोवाक जोकोविच लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर 2024

5वीं बार जीता अवॉर्ड, पहली बार फीफा विमेंस वर्ल्ड कप जीतने वाली स्पेन को टीम अवॉर्ड,बोनमाती लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स वीमेन ऑफ द ईयर

मैड्रिड

वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर 2024 का अवॉर्ड दिया गया है। जोकोविच का यह पांचवां लॉरियस अवॉर्ड है। 25वीं लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड सेरेमनी 22 अप्रैल को स्पेन के मैड्रिड में हुई। यह अवॉर्ड पिछले साल के अचीवमेंट के लिए दिया जाता है।उन्होंने इस मामले में पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। ये दोनों खिलाड़ी लॉरियस अवॉर्ड के इतिहास में सबसे ज्यादा बार सम्मानित किए गए हैं।

जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम

जोकोविच ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और यूएसए ओपन में टाइटल जीता था। जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम के साथ मेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा टाइटल जीतने वाले खिलाड़ी हैं।

बोनमाती को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स वीमेन ऑफ द ईयर 2024

वहीं स्पेन की ही मिडफील्डर एताना बोनमाती को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स वीमेन ऑफ द ईयर 2024 का पुरस्कार मिला। बोनमाती को पिछले साल फीफा विमेंस वर्ल्ड कप में गोल्डन बॉल ट्रॉफी मिली थी। गोल्डन बॉल टूर्नामेंट की बेस्ट प्लेयर को दिया जाता है।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम को मिला लॉरियस टीम अवॉर्ड

पिछले साल पहली बार विमेंस फुटबॉल वर्ल्ड कप जीतने वाली स्पेन की टीम को लॉरियस टीम अवॉर्ड से नवाजा गया। फाइनल में स्पेन ने इंग्लैंड को 1-0 से हराया था।

चेतेश्वर पुजारा ने काउंटी में ससेक्स को दिलाई जीत

पहली पारी में बनाये 85 और दूसरी पारी में नाबाद 44 रन ; ससेक्स चार विकेट से जीता

लंदन

टेस्ट स्पेशलिस्ट चेतेश्वर पुजारा ने काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-2 टूर्नामेंट में 86 और 44 रन की पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम योगदान दिया है। पुजारा टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 जून 2023 को खेला था। वे इन दिनों इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-2 टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पुजारा ससेक्स की ओर से खेल रहे हैं।

पहली पारी में शतक से चूके पुजारा

रविवार को ग्लूस्टरशायर और ससेक्स के बीच खेले गए टूर्नामेंट के 12वें मैच में पुजारा पहली पारी में शतक से चूक गए। उन्होंने पहली पारी में चौथे स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए क्रीज पर 219 मिनट तक समय बिताया। पुजारा ने 148 गेंदों में 8 चौके जड़ कर 86 रन बनाए। हालांकि वे शतक से चूक गए। उन्हें रन आउट होकर पवेलियन जाना पड़ा। ग्लूस्टरशायर की पहली पारी में 417 रन बनाने के बाद ससेक्स ने पहली पारी में 479 रन बनाए।

दूसरी पारी में नाबाद 44 रन बना कर टीम को जीत दिलाई

दूसरी पारी में 44 रन बना कर पुजारा ने ससेक्स को जीत दिलाई।

दूसरी पारी में ग्लूस्टरशायर की टीम दूसरी पारी में महज 205 रन पर ढेर हो गई। जवाब में 144 रनों को टारगेट का पीछा करने उरती ससेक्स की टीम 6 विकेट 155 रन पर गिर गए। उसके बाद पुजारा ने ससेक्स की पारी को संभाला और उन्होंने 126 मिनट तक बल्लेबाजी की और 102 गेंदों में 5 चौके जड़ नाबाद 44 रन बनाए। इस शानदार पारी के साथ ससेक्स ने ये मैच 4 विकेट से जीत लिया।

पूर्व क्रिकेटर अभय अब यूगांडा टीम को कोचिंग देंगे

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर अभय शर्मा अब यूगांडा की क्रिकेट टीम को कोचिंग देंगे। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें ये जिम्मेदारी मिली है। अभय भारत ए और भारत की अंडर-19 टीम के क्षेत्ररक्षण कोच रहे हैं। इसके अलावा वह दिल्ली रणजी टीम के भी कोच रहे हैं। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोचिंग समूह का भी हिस्सा रहे हैं।

सुनील नारायण टी-20 विश्वकप के लिए संन्यास से वापसी नहीं करेंगे

मुम्बई

आईपीएल में अपने प्रदर्शन से धूम मचा रहे वेस्टइंडीज के स्पिन ऑलराउंडर सुनील नारायण ने कहा है कि उनकी आगामी टी-20 विश्वकप खेलने के लिए संन्यास से वापसी की कोई योजना नहीं है। नारायण ने ये बात वेस्टइंडीज टी20 टीम के कप्तान रोवमैन पॉवेल के उस बयान को लेकर कही है, जिसमें पॉवेल ने नारायण के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उनसे टी20 विश्वकप को देखते हुए वापसी का अनुरोध किया था। पॉवेल ने अनुरोध इस आईपीएल सत्र में उनके प्रदर्शन को देखते हुए किया था। इस पर जवाब देते हुए नारायण

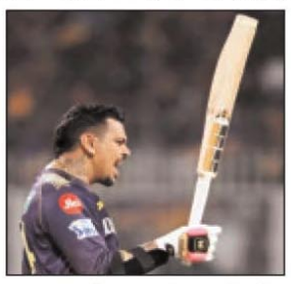

का कहना है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के अवसर अब उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो गए हैं। साथ ही कहा कि वह उन युवा खिलाड़ियों की इस विश्वकप के लिए दावेदारी का समर्थन करेंगे जो पिछले कुछ समय से इसकी तैयारी कर रहे हैं।आम तौर पर देखने में आया है कि आईसीसी टूर्नामेंट आते ही अनुभवी खिलाड़ियों की टीम में वापसी होने लगती है जबकि जो युवा खिलाड़ी लगातार उस फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं उन्हें टीम से बाहर होना पड़ता है। मगर अब सुनील नारायण ने संन्यास से वापसी नहीं करने का फैसला कर युवा खिलाड़ियों का अवसर दिया है। नरेन ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, मुझे उम्मीद है कि आप सभी अच्छे और स्वस्थ्य हैं। मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरे संन्यास से बाहर आने और आगामी टी20 विश्वकप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है।

द्विपक्षीय सीरीज तो छोड़िए, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया!

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि टीम इंडिया अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सकती है। इसके साथ ही वेन्यू शिफ्ट भी हो सकता है, या फिर हाइब्रिड मॉडल का रास्ता भी चुना जा सकता है। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अगर भारत अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेगा तो पीसीबी उनके साथ द्विपक्षीय सीरीज खेलने के लिए तैयार है।

सरकार से अनुमति मिलना मुश्किल

बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान के साथ वर्तमान रिश्तों को देखते हुए सरकार से वहां जाने की अनुमति मिलना मुश्किल है। सूत्र ने कहा,द्विपक्षीय सीरीज भूल जाइए... टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का दौरा भी नहीं कर सकती है। आयोजन स्थल में बदलाव हो सकता है या फिर हाइब्रिड मॉडल भी संभव है। भारतीय बोर्ड को यात्रा के लिए सरकार से अनुमति की आवश्यकता होगी, वर्तमान में पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध भी अच्छे नहीं हैं। ऐसे में यह लगभग असंभव है।

अपनाएं ये घरेलू उपाय, नहीं महसूस होगी थकान

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान आम समस्या हो गई है लेकिन हर समस्या का हल होता है। अगर बिना वजह थकान महसूस हो रही है तो आप जीरे का सेवन कर सकते हैं।

अगर रोज गर्म जीरे की चाय या फिर भुना हुआ जीरा खाया जाए तो थकान दूर करने में मदद मिलती है। वहीं हल्दी भी इस मामले में काफी कारगर है। इससे न केवल हॉर्मोन्स नियमित होते हैं बल्कि इससे प्रतिरक्षा तंत्र भी मजबूत होता है। यह सभी प्रकार की बीमारियों के लिए फर्स्ट एड की तरह काम करता है।

गुग्गुल

इसमें तरोताजा करने का गुण होता है। यह खराब कॉलेस्ट्रॉल को कम करता है और हृदय की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही इसे लें।

अदरक

एक कप अदरक की चाय पिएं। इससे कुछ ही मिनटों में थकान दूर हो जाएगी। अदरक लेने से शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है और हॉर्मोनल इम्बैलंस दूर होता है।

आंवला

आंवले में विटामिन सी काफी मात्रा में पाया जाता है। ये एड्रेनल ग्लैंड से तनाव को दूर करने वाले हॉर्मोन को स्रावित करने में सहायक होता है। अच्छे परिणामों के लिए रोज एक चम्मच आंवला पाउडर को गुनगुने पानी के साथ लें।

लहसुन

लहसुन में भी बहुत से औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसका ऐंटी-इंफ्लेमेंट्री गुण इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा तंत्र) को मजबूत बनाते हैं। इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए इसे कच्चा ही खाएं।

राई के दाने

राई के दानों में विटमिन ए, विटमिन सी, विटमिन के, केरोटीन व मिनरल्स पाए जाते हैं जो हिमोग्लोबिन को बढ़ाने का काम करते हैं।

अश्वगंधा

जहरीले करौंदे या जंगली चेरी के नाम से पहचाने जाने वाले इस पौधे की जड़ों में बहुत से औषधीय गुण पाए जाते हैं। यह एड्रेनल और थायरॉइड ग्लैंड्स के लिए फायदेमंद होता है और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है। साथ ही यह हार्मोन्स के असंतुलन को भी नियमित करता है।

दालचीनी

रोज सुबह उठकर एक टी-स्पून दालचीनी के पाउडर को शहद और पानी के साथ लिया जाए तो इससे थकान से छुटकारा मिलता है। आपको कुछ ही सप्ताह में इसका प्रभाव दिखने लगेगा। अगर इसे तिल के तेल के साथ मिलाकर माथे पर लगाया जाए तो थकान के कारण होने वाले सिरदर्द से छुटकारा मिलता है।

हेल्थ टिप्स : बीमारियों बचना है तो हर दिन करें नींबू का सेवन

गएक नींबू का सेवन जरूर करना चाहिए। आयुर्वेद के जानकार डॉ. कृष्णा सिंह की माने तो धूप और गर्मी की वजह से शरीर से निकलने वाले पसीने की मात्रा को यह संतुलित रखता है। इसलिए खाली पेट में और खाने में एक नींबू का उपयोग जरूर करना चाहिए।

नींबू खाने के फायदे :

- » यह शरीर में पानी की मात्रा को संतुलित रखता है
- » गर्मियों में होने वाली त्वचा संबंधी बीमारी से भी बचाता है। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।
- » गर्मी में पेट का इंफेक्शन काफी होता है। ऐसे में नींबू में पाए जाने वाला एंजाइम पेक्टिव फाइबर पेट संबंधी बीमारी को दूर करता है।
- » पसीना अधिक निकलने से चक्कर आना, घबराहट और थकान बड़ी समस्या बनी रहती है। नींबू इन समस्याओं से बचाता है।
- » पेशाब की समस्या भी गर्मी में बढ़ जाती है। ऐसे में नींबू का पानी पेशाब संबंधी बीमारी को दूर करने में मददगार साबित होता है।

ये तरीके आजमाएं, पिंपल्स को एक ही रात में दूर भगाएं!

पिंपल से लड़ने के लिए बेशक हम तमाम तरीके के प्रोडक्ट लगाते हैं, डॉक्टर के पास भी जाते हैं, लेकिन फिर भी पिंपल की समस्या अक्सर ज्यों की त्यों रहती है। जबकि हकीकत यह है कि पिंपल दूर भगाने के लिए प्राकृतिक और आसान तरीके मौजूद हैं। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि प्राकृतिक तरीकों से एक रात में ही पिंपल का सफाया किया जा सकता है। आइये इन तरीकों से रूबरू होते हैं।

बर्फ थैरेपी

अगर आपके घर में बर्फ का एक टुकड़ा मौजूद है तो पिम्पल होने पर दवाई लगाना और उसके हटने का इंतजार करना बेवकूफी है। जी, हां! बर्फ असल में पिम्पल की लालिमा को कम करता है, सूजन कम होती और जलन में भी कमी आती है। वास्तव में बर्फ लगाने से रक्तसंचार में वृद्धि होती है और रोमछिद्रों को भी प्रभावित करती है। बर्फ के जरिये पिम्पल के इर्द-गिर्द मौजूद गंदगी और तेल पूरी तरह निकल जाता है। आपको सिर्फ इतना करना है कि एक कपड़े में बर्फ के टुकड़े को लपेटना है और पिम्पल पर उसे कुछ सेकेंडों के लिए फेरना है। यही प्रक्रिया कुछ- कुछ मिनटों में दोहरानी है।

सफेद टूथपेस्ट

सफेद टूथपेस्ट काफी हद तक बर्फ ट्रीटमेंट की तरह काम करता है। सफेद टूथपेस्ट को तकरीबन एक घंटे के लिए पिम्पल पर लगाकर छोड़ दें, लेकिन यह ध्यान रखें कि आपका टूथपेस्ट जेलयुक्त न हो। पिम्पल हटाने के लिए सफेद टूथपेस्ट का ही इस्तेमाल करें। यह पिम्पल की सूजन कम करने में सहायक है।

लहसुन का चमत्कार

लहसुन पिम्पल को हटाने के लिए किसी चमत्कारिक उपचार से कम नहीं है। दरअसल लहसुन एंटीवायरल, एंटीफंगल, एंटीसेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट है जो तेजी से घाव आदि को भरता है। यही नहीं पिम्पल को भी आसानी से ठीक करता है।

इसमें सल्फर भी पाया जाता है। यह भी त्वचा के लिए लाभदायक तत्व है। आपको सिर्फ इतना करना है कि लहसुन छीलकर उसे अपने पिम्पल पर लगाना है। 5 से 7 मिनट तक लहसुन लगाने के बाद चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धोना है। आप इसी प्रक्रिया को एक घंटे बाद दोहरा सकते हैं।

स्टीम उपचार

चेहरे की दमक के लिए स्टीम उपचार बेहद जरूरी है। यह न सिर्फ गंदगी हटाता है बल्कि चेहरे की त्वचा को मुलायम भी रखता है। दरअसल स्टीम उपचार के जरिये रोम छिद्र खुल जाते हैं। नतीजतन त्वचा को सांस लेने में आसानी होती है। स्टीम उपचार लेने से चेहरे में गंदगी नहीं जमती जिससे पिम्पल होने की आशंका में कमी आती है।

सेब युक्त सिरका

हालांकि यह हर घर में आसानी से पाया जाने वाला तत्व नहीं है, लेकिन जब बात पिम्पल की आती है तो यह पिम्पल हटाने के लिए पावरहाउस का काम करता है। सेब युक्त सिरका बैक्टीरिया को खत्म करता है और त्वचा के पीएच को संतुलित रखता है। चेहरे को अच्छी तरह धोने के बाद सेब युक्त सिरका में पानी मिलाकर एक किस्म का फेसवॉश बनाया जा सकता है। इसका इस्तेमाल चेहरे पर रूई के जरिये करें। इस पैक को दस मिनट तक चेहरे पर लगाए रखें। धोने के बाद अपने चेहरे का फर्क देखें।

अंडे का सफेद भाग

अंडे का सफेद भाग प्रोटीन से भरा हुआ होता है, जो कि कील-मुंहासों से लड़ने में सहायक है। अंडे का सफेद भाग आसानी से चेहरे के सभी दाग धब्बों को निकाल सकता है। इसके लिए आपको चाहिए कि तीन अंडे के सफेद भागों को एकत्रित करें। इसके बाद इन्हें अच्छी तरह मिक्स करें और कुछ क्षणों के लिए इन्हें अच्छे से मिक्स होने के लिए रख दें। अपने अंगुली से इस पेस्ट को पिम्पल पर लगाएं। जैसे ही पिम्पल पर लगा पेस्ट सूख जाता है, उसे धो दें। ऐसा नियमित चार बार करें। आखिर में पेस्ट को 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाए रखें। इसके बाद फर्क महसूस करें।

टमाटर का जादू

टमाटर तैलीय त्वचा के लिए सबसे सहायक पदार्थ है। इसमें लाइसोपीन नामक एंटीआक्सीडेंट होता है जो त्वचा की सुरक्षा करता है। यही नहीं टमाटर डैमेज त्वचा के लिए भी कारगर है। टमाटर में एंटीबैक्टीरियल तत्व भी मौजूद है जिससे ब्लैकहेड्स और चेहरे के कालेपन को खत्म किया जा सकता है। ताजे टमाटर से बने जूस को अपने चेहरे पर मास्क की तरह इस्तेमाल करें। उसके बाद एक घंटे बाद चेहरे को धो दें।

संतरे के छिलके

सबसे पहले अपने चेहरे को गर्म पानी से धोएं, ताकि चेहरे के छिद्र खुल सकें। इसके बाद संतरे के छिलके को पिम्पल पर लगाएं। ऐसा एक घंटे तक करते रहें। संतरे के छिलके में मौजूद विटामिन सी आपके पिम्पल को निकालने में मदद करेगा।

पपीता का कमाल

गर्म पानी से चेहरे को धोने के बाद चेहरे पर पपीता का मिक्सचर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को धोएं। इससे चेहरा मोएस्चराइज होता है साथ ही पिम्पल आने की आशंका भी कम होती है।

केले के छिलके

केला खाना जितना फायदेमंद है, उतना ही फायदेमंद केले का छिलका भी है। पिम्पल होने पर केले के छिलके को फेंके नहीं वरन चेहरे पर गोल गोल घुमाएं। जब आपको लगे कि केले के छिलके में मौजूद रैशे से चेहरा पूरी तरह भर चुका है तो वैसे ही चेहरे को 30 मिनट तक रहने दें। केले के छिलके से चेहरे पर पिम्पल से होने वाली जलन कम हो जाती है और चेहरा दमकता हुआ भी प्रतीत होता है। इतना ही नहीं केले के छिलके से स्वस्थ सेल भी पनपते हैं।

रक्त संचार बिगड़ने से कई बीमारियों का डर

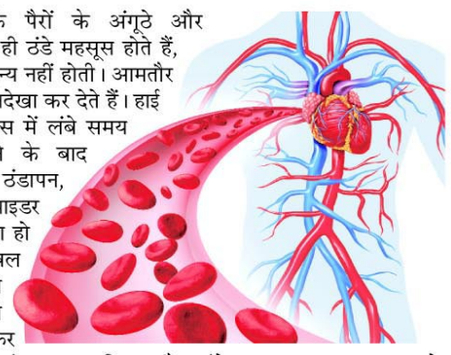

क्या आपके पैरों के अंगूठे और उंगलियां हमेशा ही ठंडे महसूस होते हैं, यह स्थिति सामान्य नहीं होती। आमतौर पर लोग इसे अनदेखा कर देते हैं। हाई हील्स के सैंडिल्स में लंबे समय तक खड़े रहने के बाद उंगलियों में ठंडापन, सूजन और स्पाइडर वेन्स की समस्या हो जाना क्या केवल महिलाओं को होने वाली समस्या या फिर यह खराब रक्तसंचार का परिणाम है। लंबे समय तक धूम्रपान करने, अत्यधिक वसा, खराब शारीरिक स्थिति, हाई ब्लड प्रेशर, ग्लूकोज का बड़ा हुआ स्तर और लिपिड का बड़ा हुआ स्तर धमनी के ब्लड वेसल्स को क्षतिग्रस्त करने का काम करते हैं। अनुवांशिकता की इसमें अहम भूमिका होती है। ऐसा रक्त संचार के सुचारू रूप से नहीं होने के कारण होता है।

लक्षण आते हैं नजर

यदि किसी का रक्तसंचार बेहतर नहीं होता तो उसके कुछ स्पष्ट लक्षण नजर आते हैं और इन स्थितियों में डॉक्टर को दिखाना अहम होता है

सुन्नपन - शरीर के किसी हिस्से के आखिरी सिरे पर कुछ मिनट के लिए सुन्नपन महसूस होता है। वैसे अधिकांश लोगों को इस तरह का अनुभव कभी न कभी तो होता है लेकिन जिन लोगों का रक्त संचार बेहतर नहीं होता, उनमें यह परेशानी बार-बार नजर आती है।

पाचन समस्या - सेहतमंद पाचन के लिए पेट तक बेहतर रक्तसंचार की आवश्यकता होती है। यदि रक्तसंचार सही तरीके से नहीं होता है तो उसका असर पाचन तंत्र पर पड़ता है और कब्जियत की भी शिकायत हो सकती है।

कमजोर नाखून - रक्त द्वारा शरीर में पोषक तत्वों का संचार होता है और यदि यह रक्तसंचार ही बेहतर न हो तो इस प्रक्रिया पर भी प्रभाव पड़ेगा। यदि आपके नाखून कमजोर, टूटते हुए हों तो इसका मतलब है कि रक्तसंचार सही तरीके से नहीं हो पा रहा है।

बालों का झड़ना- रक्तसंचार के बिगड़ने का प्रभाव बालों पर भी पड़ता है। कमजोर हेयर फॉलिकल्स इस बात के संकेत होते हैं कि आपको पर्याप्त मात्रा में पोषण नहीं मिल पा रहा है, जिससे कि स्वस्थ बालों का निर्माण हो सके।

रंगत बदलना - सफेद या नीले रंग की उंगलियां और अंगूठे कम तापमान के कारण होता है, जिसे साइनोसिस कहा जाता है। ऐसी परेशानी रक्तसंचार के सुचारू नहीं होने के कारण भी हो सकती है।

सूजन - विशेषज्ञों का कहना है कि पैरों और हाथों में सूजन इस बात का संकेत होता है कि संचार व्यवस्था अपने ऊपर भार को कम करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे कुछ मात्रा में फ्ल्यूड निकलता है, जिसे एडेमा कहा जाता है।

बोलने में लड़खड़ाहट - मस्तिष्क तक सही मात्रा में रक्त न पहुंचने के कारण बोलने में परेशानी होती है, खासकर जब लंबे समय से बैठे रहने के बाद एकदम से खड़े होते हैं।

सिरदर्द - यदि मस्तिष्क तक सही मात्रा में रक्त का संचार न हो सके तो उस स्थिति में सिरदर्द की परेशानी हो सकती है। अन्य समस्याओं के साथ बार-बार सिरदर्द की भी समस्या हो रही हो तो उस स्थिति में डॉक्टर से परामर्श लें।

रूखी त्वचा - बेहतर रक्तसंचार के बिना आपकी त्वचा नमी नहीं बनाए रख सकती है। सूखी और खुजलीदार त्वचा इस बात का संकेत देती है कि पर्याप्त मात्रा में पोषण नहीं मिल पा रहा है।

दस ऐसे कॉस्मेटिक जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं

खूबसूरत बनाने वाले कॉस्मेटिक में कई ऐसे रसायन होते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए जानें ऐसे ही दस कॉस्मेटिक के बारे में।

कॉस्मेटिक के नुकसान

आजकल खूबसूरत दिखने के लिए हर कोई कॉस्मेटिक की मदद लेने में संकोच नहीं करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन कॉस्मेटिक के लगातार संपर्क में आने से त्वचा पर कई तरह के साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। कई शोधों के मुताबिक इनके ज्यादा इस्तेमाल से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां होने का भी खतरा होता है। आइए जानें ऐसे 10 कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के बारे में जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

लिपस्टिक

ज्यादातर महिला होठों को खूबसूरत बनाने के लिए लिपस्टिक का प्रयोग करती हैं। लिपस्टिक में मौजूद रसायन आपके होठों को काला बनाने के साथ ही इसकी नमी चुरा लेते हैं। इसकी जगह अगर आप लिप बाम अपनाएं तो ज्यादा अच्छा रहेगा। लाल लिपस्टिक में रंग ज्यादा गाढ़ा करने के लिए लीड की ज्यादा मात्रा भी मिला दी जाती है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं।

मॉश्चराइजर

त्वचा में नमी बनाए रखने वाले मॉश्चरराइजर में ऐसे रसायन मिले होते हैं जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीन लेते हैं। अधिकतर मॉश्चरराइजर में डिटर्जेंट जैसे कई केमिकल मिले होते है जो आपकी त्वचा को काफी नुकसाच पहुंचाने के लिए पर्याप्त होते हैं।

काजल: काजल का ज्यादा प्रयोग आंखों से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकता है। काजल में मौजूद रसायन का आंखों से संपर्क होने पर आंखों में जलन, खुजली या पानी आने की समस्या हो सकती है।

नेलपॉलिश: कभी अपने नाखूनों पर हमेशा नेलपॉलिश ना लगाएं। इससे नाखूनों की प्राकृतिक चमक खो जाती है। डार्क रंग की नेलपॉलिश आपके नाखूनों पर धब्बे छोड़ सकती है और उनमें पीलापन ला सकती है।

टेल्कम पाउडर: टेल्कम पाउडर में सिलिकेट्स टेल्क पड़ा हुआ होता है, जो न केवल एक रासायनिक तत्व है बल्कि इसमें कैंसर कर देने वाले तत्व भी मौजूद होते है। इसके ज्यादा इस्तेमाल से एलर्जी और फेफड़ों में सक्रंमण होने का खतरा रहता है। टेल्क, बॉडी से मॉइश्चर को सोख लेता है और उसे ग्लो करता हुआ बना देता है, जो नुकसानदायक होता है।

ब्लीच क्रीम: ब्लीच क्रीम में रसायन होते है जो आपकी त्वचा की नमी को सोख लेते हैं और चेहरे की स्कीन में आने वाले ऑयल को भी सोख लेती है, वैसे यह ऑयल भी चेहरे पर आना जरूरी होता है। चेहरे पर आने ऑयल से त्वचा की नरमी बरकरार रहती है और झुर्रिया जल्दी नहीं होती है। इसके ज्यादा प्रयोग से बचें।

वैक्स: वैक्सिंग का उपयोग अनचाहे बालों को हटाने के लिए किया जाता है। लेकिन इसका उपयोग करने वाले विकसित बाल, लाल दाग व हल्की ब्लीडिंग जैसी समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं।

हेयर कलर और हेयर डाई

सफेद बालों को छिपाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले हेयर कलर और डाई में मौजूद रसायन आंखों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसके अलावा बालों का झड़ना, जलन होना, लाल चकत्ते होना, खुजली होना, चेहरे पर सूजन आ जाना और सांस सम्बंधी समस्या होना।

डियोड्रेंट्स

आपको पसीने की बदबू से निजात दिलाने वाले डियोड्रन्ट्स त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। शोध के मुताबिक, डिओडेंट्स में ऐसे कई रसायन मौजूद होते है जो आपकी त्वचा और शरीर को नुकसान पहुंचाते है। वास्तव में, डियोड्रेंट्स में एल्कोहल होता है जिसकी वजह से त्वचा में जलन और खुजली होती है।

ना नहाने से शरीर पर होने वाले बदलाव

शाम को नियमित रूप से नहाने की आदत हैं लेकिन सर्दियों के आते ही उसको लगने लगा है कि क्यों न इस आदत में थोड़ा बदलाव किया जाये। नियमित रूप से नहाने के इस रूटिन में अगर मैं दो दिन नहीं नहाता, तो क्या फर्क पड़ता है। शाम की तरह बहुत से लोगों को ऐसा ही महसूस होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसी भी समय, आप अपने शरीर पर आमतौर पर 1 हजार विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया और 40 प्रकार के फंगस कैरी करते हैं। हालांकि, यह सूक्ष्म जीव वास्तव में आपकी समग्र भलाई के लिए अच्छे होते हैं। या सीधे शब्दों में कहें, अच्छा बैक्टीरिया, बुरे बैक्टीरिया को दूर रखने के लिए हमारी मदद करता है। लेकिन दो दिनों तक नहाना छोड़ने से आपके शरीर में कुछ बदलाव होने लगते हैं आइए ऐसे ही कुछ बदलाव के बारे में जानें।

स्वास्थ्य को खतरा: ना नहाना से हानिकारक बैक्टीरिया शरीर पर बढ़ने लगते है, क्योंकि विभिन्न प्रकार के संक्रमण विशेष रूप से आपके मुंह, नाक या आंखों के माध्यम से शरीर के अंदर जाने का रास्ता खोज ही लेते हैं। और नियमित सफाई के अभाव में त्वचा साल्टी और ऑयली होकर विकृति और जलन पैदा कर सकती है।

खराब बैक्टीरिया के पनपने का डर: सीधे शब्दों में कहें, अच्छे बैक्टीरिया हमारे शरीर के बुरे बैक्टीरिया को दूर करते हैं। लेकिन अच्छे बैक्टीरिया को साबुन और शॉवर की मदद की जरूरत होती है। जब आप शॉवर छोड़ देते हैं तो पसीना ना आने के बावजूद आपको गंदे हो सकते हैं। पूरा दिन चीजों को छूने से खराब बैक्टीरिया को पनपने की जगह मिल जाती है।

शरीर से बदबू आना

आपको लगता है कि पसीना शरीर की बदबू का कारण बनता है, लेकिन वास्तव में इससे शरीर के प्रोटीन और फैटी एसिड का इस्तेमाल कर गैसे निकलती है। जो कम से कम 30 तरह की बदबू का कारण बन सकती है। हालांकि यह स्वास्थ्य के प्रति गंभीर मुद्दा नहीं हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से एक सामाजिक मुद्दा है। अगर आपमें बदबू आ रही है तो लोग आपसे बचने के उपाय खोजने लगेंगे।

त्वचा का ऑयली होना

दो दिन ना नहाने से आपकी त्वचा पर बहुत ज्यादा ऑयली हो जाती है, यानी नियमित रूप से ना नहाने की आदत त्वचा पर ऑयल को बढ़ा देती है जिससे आपकी त्वचा गंदी लग सकती हैं। आमतौर पर सफाई की उपेक्षा करने से आपकी त्वचा पर ही बालों में भी तेजी से चिकनाहट आने लगती है।

रेसिपी

लौकी का रायता

सामग्री

1 कप लौकी/दूधी, 1/4 कप स्लाइस प्याज, 1/4 चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च, 1 चम्मच बारीक कटी अदरक, 1 कप ताजी दही, 3 चम्मच रोस्ट और दरदरी पिसी मूंगफली, 1 चम्मच तेल, 1/2 चम्मच राई, 7 से 8 कड़ी पत्ते, नमक-स्वादअनुसार।

विधि

लौकी, प्याज, हरी मिर्च, अदरक और 3/4 कप पानी मिला कर एक नॉन स्टिक पैन में डाल कर ढक्कन लगा कर 10 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकाएं। इसे बीच बीच में चलाती रहें और जब पानी सूख जाए तब गैस बंद कर के इसे किनारे रख दें। फिर इस मिश्रण को एक बड़े कटोरे में दही, पिसी मूंगफली और नमक मिला कर किनारे रख दें। अब हम छौंकने की सामग्री तैयार करेंगे। इसके लिए एक नॉन स्टिक पैन में तेल गरम करेंगे और उसमें राई डालेंगे। उसके बाद इसमें कड़ी पत्ते डाल कर छौंक तैयार करेंगे। फिर इसे दही और लौकी के मिश्रण में मिला देंगे। आपका लौकी रायता तैयार हो चुका है, इसे गरमा गरम खाने के साथ सर्व करें।

लजानीया

सामग्री

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिये: 1/2 कप लाल शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप हरी शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप बीज निकाले हुए टमाटर के टुकड़े, 1 टेबल-स्पून जैतून का तेल 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, 1 1/2 कप व्हाईट सॉस, 1 कप पिज्जा सॉस, 4 हुए लजानीया शीट, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज।

विधि

रोस्टड वेजिटेबल्स के लिये: एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकेंड तक भुनें। लाल और हरी शिमला मिर्च के टुकड़े और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धिमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। टमाटर, ऑरेगानो, लाल मिर्च के फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रखें। आगे बढ़ने की विधी ,रोस्टड वेजिटेबल्स् और व्हाईट सॉस को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रख दें। बेकिंग डिश के बेस पर 1/2 कप पिज्जा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और सॉस के उपर समान अंतर पर 2 लजानीया शीट रखें। व्हाइट सॉस-रोस्टड वेजिटेबल्स् के मिश्रण को डालकर फैला लें और इसके उपर 1/4 कप पिज्जा सॉस फैलाकर उपर और 2 लज़ानीया शीट्स् रखें। बचा हुआ 1/4 कप पिज्जा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और उपर अच्छी तरह से चीज छिड़के। पहले से गरम अवन में लजानीया को 8 मिनट के लिए बेक करें या माईक्रोवेव में उच्च पर 2 मिनट के लिए पका लें। गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**